अंक11, मार्च 2026

तपस्या

तिरुवनंतपुरम नराकास (उपक्रम) की राजभाषा पत्रिका

भारतीय खाद्य निगम

FCI

भारतीय खाद्य निगम (FCI) की प्रमुख उपलब्धियां

1. देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय खाद्य निगम (FCI) की महत्वपूर्ण भूमिका।
2. किसानों से रिकॉर्ड स्तर पर धाद्यान्न की खरीद कर उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का लाभ प्रदान किया।
3. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के माध्यम से करोड़ों लोगों तक खाद्यान्न की सफल आपूर्ति।
4. आधुनिक एवं वैज्ञानिक भंडारण प्रणाली के माध्यम से खाद्यान्न संरक्षण में सुधार।
5. आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में समयबद्ध खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित की।
6. डिजिटल एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाकर कार्यकुशलता में वृद्धि की।
7. देशभर में व्यापक **गोदाम एवं परिचहन नेटवर्क** का सफल संचालन।
8. **"वन नेशन, वन राशन कार्ड"** योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग।
9. खाद्यान्न वितरण प्रणाली को मजबूत बनाकर गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग को राहत प्रदान की।
10. किसानों, उपभोक्ताओं एवं सरकार के बीच विश्वास का मजबूत आधार स्थापित किया।

Contact: amtvmke@fci.gov.in tel no: 04713503933

अंक 11, मार्च 2026

तपस्या

तिरुवनंतपुरम नराकास (उपक्रम) की राजभाषा पत्रिका

1. हिंदी दिवस संदेश.. 04
2. अध्यक्ष नराकास (उपक्रम) का संदेश.. 07
3. संपादकीय.. 08
4. नराकास राजभाषा सम्मान.. 09
5. नराकास (उपक्रम) की राजभाषा गतिविधियों की झांकियाँ.. 10
6. नराकास के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र.. 20
7. सृजनात्मकता.. 37
8. नराकास राजभाषा वैजयंती.. 44
9. नेमी टिप्पणियाँ.. 51
10. नराकास के सदस्य कार्यालयों की सूची.. 54

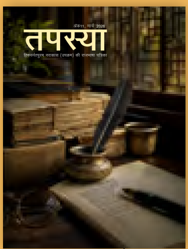

संरक्षक : डॉ. अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

मुख्य संपादक : डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

संपादकीय मंडल : श्रीमती आशा.एम, श्रीमती लीना.एल, श्रीमती मीना.एम.वी

डिज़ाइनिंग: श्री धनेष

मुद्रक: सेंट जोसफ्स प्रेस, तिरुवनंतपुरम।

तपस्या में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

संपादित एवं प्रकाशित : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा तिरुवनंतपुरम - 695012, केरल, दूरभाष : 0471-2354949

हिंदी दिवस संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो !

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत मूलतः भाषा–प्रधान देश है। हमारी भाषाएँ सदियों से संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, मरुभूमि से लेकर बीहड़ जंगलों और गाँव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से संगठित रहने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है।

मिलकर चलो, मिलकर सोचो और मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई और सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया। पूर्वोत्तर में बीहू का गान, तमिलनाडु में ओवियालू की आवाज, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति की पदावली, बंगाल में बाउल संत के भजन, आदिम समाज में ढोल–मांदर की थाप पर करमा की गूँज, माताओं की लोरियाँ, किसानों का बारहमासा, कजरी गीत, भिखारी ठाकुर की 'बिदेशिया', इन सबने हमारी संस्कृति को जीवन्त और लोककल्याणकारी बनाया है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय भाषाएँ एक दूसरे की सहचर बनकर, एकता के सूत्र में बंधकर आगे बढ़ रही हैं। संत तिरुवल्लुवर को जितनी भावुकता से दक्षिण में गाया जाता है, उतनी ही रुचि से उत्तर में भी पढ़ा जाता है। कृष्णदेवराय जितने लोकप्रिय दक्षिण में हुए, उतने ही उत्तर में भी। सुब्रमण्यम भारती की राष्ट्रप्रेम से ओत–प्रोत रचनाएँ हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रप्रेम को प्रबल बनाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास को हर एक देशवासी पूजता है, संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम अनुवादों में पाए जाते रहे हैं। सूरदास की पदावली दक्षिण भारत के मंदिरों और संगीत परंपरा में आज भी प्रचलित है। श्रीमंत शंकरदेव, महापुरुष माधवदेव को हर एक वैष्णव जानता है। और, भूपेन हजारिका को हरियाणा का युवा भी गुनगुनाता है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएँ प्रतिरोध की आवाज बनीं और आज़ादी के आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने में भूमिका निभाई। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, गाँव–देहात की भाषा में लोगों को आज़ादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाटककारों ने लोकभाषाओं, लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

जब देश आजाद हुआ, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने भाषाओं की क्षमता और महत्ता को देखते हुए

इस पर विस्तार से विचार–विमर्श किया और 14 सितम्बर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। संविधान के अनुच्छेद 351 में यह दायित्व सौंपा गया कि हिंदी का प्रचार–प्रसार हो और वह भारत की सामासिक संस्कृति का प्रभावी माध्यम बने।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड आया है। चाहे संयुक्त राष्ट्रसंघ का मंच हो, जी–20 का सम्मेलन या SCO में संबोधन, मोदी जी ने हिंदी और भारतीय भाषाओं में संवाद कर भारतीय भाषाओं का स्वाभिमान बढ़ाया है।

मोदी जी ने आजादी के अमृत काल में गुलामी के प्रतीकों से देश को मुक्त करने के जो पंच प्रण लिए थे, उसमें भाषाओं की बड़ी भूमिका है। हमें अपनी संवाद और आपसी संपर्क भाषा के रूप में भारतीय भाषा को अपनाना चाहिए, न कि किसी विदेशी भाषा को। तभी हम गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त हो पाएँगे।

राजभाषा हिंदी ने 76 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। राजभाषा विभाग ने अपनी स्थापना के स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण कर हिंदी को जनभाषा और जनचेतना की भाषा बनाने का अद्भुत कार्य किया है। 2014 के बाद से सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया गया है। संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष 1976 में अपनी स्थापना से लेकर 2014 तक माननीय राष्ट्रपति महोदया को प्रतिवेदन के 9 खंड प्रस्तुत किए थे, वहीं 2019 से अब तक 3 खंड प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 13–14 नवम्बर 2021 को वाराणसी से प्रारंभ हुए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों की परम्परा भी लगातार आगे बढ़ रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित 'कंठस्थ 2.0' में आज 5 करोड़ से अधिक वाक्यों का ग्लोबल डाटाबेस उपलब्ध है। 'लीला राजभाषा' और 'लीला प्रवाह' जैसे शिक्षण पैकेजों के माध्यम से 14 भारतीय भाषाओं में हिंदी सीखने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2022 में शुरू हुआ 'हिंदी शब्द सिंधु' अब तक लगभग 7 लाख शब्दों से समृद्ध हो चुका है।

2024 में हिंदी दिवस पर 'भारतीय भाषा अनुभाग' की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के बीच सहज अनुवाद सुनिश्चित करना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम न रहकर तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। डिजिटल इंडिया, ई–गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में हम भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम, प्रासंगिक और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत को अग्रणी बनाने वाली शक्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं।

मित्रों, भाषा सावन की उस बूँद की तरह है, जो मन के दुःख और अवसाद को धोकर नई ऊर्जा और जीवन शक्ति देती है। बच्चों की कल्पना से गढ़ी गई अनोखी कहानियों से लेकर दादी–नानी की लोरियों और किस्सों तक, भारतीय भाषाओं ने हमेशा समाज को जिजीविषा और आत्मबल का मंत्र दिया है।

मिथिला के कवि विद्यापति जी ने ठीक ही कहा है:
"देसिल बयना सब जन मिट्ठा।"
अर्थात् अपनी भाषा सबसे मधुर होती है।

आइए, इस हिंदी दिवस पर हम हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने और उन्हें साथ लेकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लें।

आप सभी को एक बार फिर से हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

वंदे मातरम्।

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2025

(अमित शाह)

हिंदी बोले और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों का विभाजन

क्षेत्र 'क'	**REGION 'A'**
बिहार	BIHAR
झारखण्ड	JHARKHAND
हरियाणा	HARYANA
हिमाचल प्रदेश	HIMACHEL PRADESH
छत्तीसगढ़	CHATTISGARH
मध्य प्रदेश	MADHYA PRADESH
राजस्थान	RAJASTHAN
उत्तर प्रदेश	UTTAR PRADESH
उत्तराखंड	UTTARAKHAND
अंडमान और निकोबार द्वीप	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र	UNION TERRITORY OF DELHI
क्षेत्र 'ख'	**REGION 'B'**
गुजरात	GUJARAT
महाराष्ट्र	MAHARASHTRA
पंजाब	PUNJAB
चंडीगढ़	CHANDIGARH
संघ राज्य क्षेत्र दामन डयू दादर & नगरहवेली	UNION TERRITORIES OF DAMAN DUE DADRA & NAGAR HAVELI
क्षेत्र 'ग'	**REGION 'C'**
असम	ASSAM
आंध्रा प्रदेश	ANDRA PRADESH
उडीसा	ODISHA
कर्नाटका	KARNATAKA
केरल	KERALA
जम्मू & कश्मीर	JAMMU & KASHMIR
तमिल नाडु	TAMIL NADU
त्रिपुरा	TRIPURA
नागालैण्ड	NAGALAND
पश्चिम बंगाल	WEST BENGAL
मणिपुर	MANIPUR
मेघालया	MEGHALAYA
सिक्किम	SIKKIM
मिज़ोराम	MIZORAM
गोवा	GOA
अरुणाचल प्रदेश	ARUNACHAL PRADESH
संघ राज्य क्षेत्र पुतुच्चेरी लक्षद्वीप	UNION TERRITORIES OF PUDUCHERRY LEKSHADWEEP
तेलंकाना	TELANGANA
लेद्दाख	LADAKH

अध्यक्ष नराकास (उपक्रम) का संदेश

पिछले ग्यारह वर्षों से एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के नेतृत्व में तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), अपने सोलह सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर सुधार लाने तथा उन कार्यालयों के कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए प्रोत्साहित करने और संघ सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने की ओर हर महीने में विविध प्रकार के हिंदी कार्यकलाप आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा, अंतर नराकास एवं दक्षिण क्षेत्र की टोलिकों को साथ लेकर नवाचार एवं रंगीले हिंदी कार्यक्रम आयोजित करते हुए हम पर निर्भर जिम्मेदारी पूर्णरूप से निभाते हैं।

यह मात्र नहीं, हमारी टोलिक के सदस्य कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण करते हुए सर्वोत्कृष्ट रूप से राजभाषा कार्यान्वयन करने वाले कार्यालयों को राजभाषा शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान करके हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके अलावा, टोलिक द्वारा एक राजभाषा पत्रिका - तपस्या भी हर साल प्रकाशित किया जा रहा है।

नराकास के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों के पूर्ण सहयोग से वर्तमान वर्ष में हम विभिन्न कार्यक्रम सही तरीके से आयोजित कर सके। इस बार भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक) और एम.एस.टी.सी लिमिटेड द्वारा टोलिक की गतिविधियों तथा हाउसिंग एण्ड अरबन डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को) और भारतीय खाद्य निगम (मंडल कार्यालय) द्वारा पत्रिका में विज्ञापन का प्रायोजन किया गया।

इस प्रकार हमारे द्वारा किये गये प्रयासों के परिणामस्वरूप टोलिक (उपक्रम) को इस बार दो पुरस्कारों - नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर) और क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान (प्रथम स्थान) - से सम्मानित किया गया।

मैं टोलिक (उपक्रम) की राजभाषा पत्रिका 'तपस्या' का ग्यारहवां अंक पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करती हूँ। इस पत्रिका के आगामी अंक को और भी दिलचस्प बनाने की ओर अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

डॉ. अनिता तंपी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड & अध्यक्ष नराकास (उपक्रम)

संपादकीय

'जीत उसकी होगी, जो लक्ष्य पर फोकस करते हुए क्षमा, धैर्य और उत्साह से प्रयत्न करता है।'

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की राजभाषा पत्रिका 'तपस्या' का ग्यारहवाँ अंक आपके सम्मुख प्रस्तुत करने में मुझे बेहद खुशी है, जिसमें सदस्य कार्यालयों की राजभाषा रिपोर्ट एवं कर्मचारियों के लेखों का उल्लेख किया गया है। हम सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों को हिंदी के अद्यतन जानकारी से अवगत कराने एवं अपेक्षित प्रशिक्षण देने की ओर विभिन्न प्रकार के हिंदी कार्यकलाप आयोजित कर रहे हैं। जिसके फलस्वरूप, टोलिक (उपक्रम) को विद्यमान वर्ष में राष्ट्रीय एवं दक्षिण - पश्चिम क्षेत्र पर नराकास राजभाषा सम्मान प्राप्त हुए हैं।

इस क्रम में, हम वर्ष 2025 - 26 के दौरान वैविद्यपूर्ण राजभाषा गतिविधियाँ, जैसे संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह, हिंदी प्रतियोगिता, अंतर नराकास देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, हिंदी भाषिणी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, काव्य तरंग (कवि सम्मेलन & हिंदी संगीतोत्सव), दक्षिण क्षेत्र के नराकासों के लिए हिंदी लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता, कॉलेज विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार, सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों के लिए राजभाषा नीति पर पुनश्चर्या कार्यक्रम आदि आयोजित कर सके।

हमारे नराकास के कार्यालय प्रमुख एवं हिंदी से जुडे अधिकारियों के संपूर्ण सहयोग से सभी हिंदी कार्यक्रम सही ढंग से समय पर ही आयोजित किये गये। जिस पर मैं सभी के प्रति बेहद खुशी एवं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। आगे भी मैं आपके समर्थन की प्रतीक्षा करता हूँ।

डॉ.सुरेष कुमार. आर
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल एवं
सदस्य सचिव, नराकास(उपक्रम)

नराकास (उपक्रम) को क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) का श्रीगणेश वर्ष 2015 को हुआ। नवीनतम एवं नवाचार हिंदी कार्यकलाप आयोजित करने के फलस्वरूप टोलिक (उपक्रम) को हर साल केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के केंद्र सरकार, उपक्रम एवं बैंक के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थापित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मान मिल रहा है। यहाँ उल्लेखनीय बात यह है कि वर्ष 2024-25 के क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान (प्रथम स्थान) के लिए टोलिक (उपक्रम) को विनिर्णीत किया गया है। 20.01.2026 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में आदरणीय केंद्र गृह राज्य मंत्री श्री बांडी संजय कुमार से डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) ने, डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, टोलिक (उपक्रम) की तरफ से, क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान एवं राजभाषा अधिकारी के लिए प्रशस्ति - पत्र स्वीकार किया।

नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर)

राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2024-25 के दौरान राजभाषा कार्यनिष्पादन में उल्लेखनीय कार्य करनेवाले नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को प्रेरणा व प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार संस्थापित किया गया। इस प्रकार, राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में नरकास (उपक्रम) को केंद्र सरकार द्वारा प्रशंसनीय श्रेणी में नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर) से सम्मानित किया गया है। 15 सितंबर 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) ने, डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, टोलिक (उपक्रम) की तरफ से, डॉ.अंशुली आर्या आईएएस, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली से नराकास प्रोत्साहन सम्मान और राजभाषा अधिकारी के लिए प्रशस्ति - पत्र हासिल किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की राजभाषा गतिविधियों की झांकियाँ

नराकास (उपक्रम) की 21 वीं बैठक

नराकास (उपक्रम) के वर्ष 2025-26 की 21 वीं बैठक 23.07.2025 को एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम के अक्षया हॉल में आयोजित की गयी। बीएसएनएल के मुख्य महा प्रबंधक श्री आर. सजिकुमार आई टी एस ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, नराकास डॉ.अनिता तंपी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों द्वारा दिए गए समर्थन व सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही नराकास के उत्तरदायित्व के बारे में कहा - नराकास केंद्र सरकार के कार्यालयों का एक संयुक्त निकाय है, जिसका गठन गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के उद्देश्य से किया गया है। अतः नराकास अपने सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति को बढ़ावा देने हेतु नवीन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है। बाद में अध्यक्ष ने पिछले छह महीनों में हमारी नराकास द्वारा आयोजित विभिन्न हिंदी कार्यक्रम और भविष्य की योजनाओं को व्यक्त किया।

समारोह के दौरान, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री निर्मल कुमार दुबे द्वारा सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करके सदस्य कार्यालयों को आवश्यक मार्गनिर्देश दिये गये। साथ ही, उन्होंने कहा कि टोलिक की बैठक में सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य है। आगे डॉ सुरेष कुमार. आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) ने कार्यसूची मदों को प्रस्तुत किया। हड्को के संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना) एवं हिंदी नोडल अधिकारी श्री आर. एस हरिकृष्णन ने धन्यवाद अदा किया।

नराकास (उपक्रम) की 22 वीं बैठक एवं पुरस्कार वितरण

नराकास (उपक्रम) के वर्ष 2025-26 की 22 वीं बैठक 15 दिसंबर, 2025 को जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम में अत्यंत गौरवपूर्ण तरीके से आयोजित किया गया। ईश्वर वंदना से प्रारंभित बैठक में एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी के महा प्रबंधक (उत्पादन) श्री बैजु पी ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, नराकास डॉ.अनिता तंपी ने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान नराकास (उपक्रम) को क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान (प्रथम स्थान) और वर्ष 2024-25 की प्रशंसनीय उपलब्धि - नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर) के लिए चयनित होने के सिलसिले में टोलिक (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रधानों एवं हिंदी कार्मिकों को बधाइयाँ दीं और उनके समर्थन एवं सहयोग की सराहना की। सदस्य कार्यालयों के सहयोग और प्रतिबद्धता ही टोलिक की इस उपलब्धि का आधार है। आपसी सहयोग और नवाचार के साथ अग्रसर होने का आह्वान दिया। उन्होंने जोडा कि क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के उप निदेशक (कार्यान्वयन) की अर्धवार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा से, हरेक सदस्य कार्यालय को अपने सुधारने के क्षेत्रों को पहचानने, समग्र निष्पादन को बेहतर बनाने और मजबूत करने में मदद मिलेगी। बाद में अध्यक्ष ने पिछले छह महीनों में नराकास द्वारा आयोजित विभिन्न हिंदी कार्यक्रम और भविष्य की योजनाओं पर नज़र डाली।

इस समारोह के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन पुरस्कार, उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार, संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह, 2025 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त सदस्य कार्यालय के लिए पुरस्कार आदि प्रदान किए गए। बडे कार्यालयों की श्रेणी में **उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन पुरस्कार** एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी, बीएसएनएल - मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चौथा स्थान तथा छोटे कार्यालयों की श्रेणी में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलेपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एम.एस.टी.सी लिमिटेड, केरल शाखा कार्यालय, भारतीय खाद्य निगम, जिला कार्यालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चौथा स्थान प्राप्त हुआ।

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय की पत्रिका - समन्वया, हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलेपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को) की पत्रिका - संकल्प, और एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी की पत्रिका –

अनमोल को **उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार** की श्रेणी में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी और बीएसएनएल - मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय को **प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त सदस्य कार्यालय** की श्रेणी में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

समारोह के दौरान, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री निर्मल कुमार दुबे ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की । साथ ही, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), पत्राचार, हिंदी में टिप्पण, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आदि के निर्धारित लक्ष्यों के अनुपालन में सदस्य कार्यालयों द्वारा किए गए प्रयासों और टोलिक द्वारा समय पर गतिविधियाँ आयोजित करने की

सराहना की गयी।

वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने कार्यसूची प्रस्तुत की और कृतज्ञता ज्ञापन का काम भी संभाला। इस समारोह में श्रीमती गौरी, हिंदी अनुवादक, एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी ने कंपयरिंग किया।

सचिवालयीन बैठक

हर वर्ष में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन, कार्यक्रमों के समन्वय एवं योजनाबद्ध संचालन के उद्देश्य से सचिवालयीन बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इस वित्तीय वर्ष में, 11.04.2025, 24.10.2025 और 24.03.2026 को नराकास के सदस्य सचिव के नेतृत्व में आयोजित सचिवालयीन बैठकों में नराकास के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी/ कार्मिक एवं नोडल अधिकारियों की उपस्थिति हुई। इन बैठकों में आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा हुई।

राजभाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम

टोलिक (उपक्रम) के नेतृत्व में सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम 22.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बैजु पी. एचएलएल के महा प्रबंधक (उत्पादन) द्वारा किया गया। डॉ. सुरेष कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं टोलिक सचिव द्वारा स्वागत एवं श्री षिबु, हिन्दी अधिकारी, बीएसएनएल द्वारा धन्यवाद का काम संभाला गया। श्री राजेष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और श्रीमती गिरीजा कुमारी, सेवा निवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), भविष्य निधि संगठन इस प्रशिक्षण के संकाय सदस्य थे। पहले सत्र में श्री राजेष द्वारा राजभाषा नीति, नियम, प्रोत्साहन योजना, वर्षिक कार्यक्रम तथा दूसरे सत्र में श्रीमती गिरीजा कुमारी द्वारा भाषा और राजभाषा के बारे में चर्चा, प्रशासनिक शब्दों का परिचय तथा टिप्पण व आलेखन का अभ्यास कार्य आदि पर क्लास लिया गया ।इस प्रशिक्षण से सदस्य कार्यालयों के 25 अधिकारी/कर्मचारी लाभान्वित हुए ।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यू पी आर) पर परिचय कार्यक्रम

नराकास के सदस्य कार्यालयों के हिंदी कार्मिकों के लिए 17.06.2025 को एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में क्यूपीआर पर परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लास का संचालन टोलिक (उपक्रम) के सदस्य सचिव एवं एचएलएल के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) डॉ.सुरेष कुमार.आर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था - कर्मचारियों को क्यू पी आर सही ढंग से भरने की प्रक्रिया के बारे में जागरूकता देना, उनकी शंकाओं का समाधान देना और वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना। इस सत्र में तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यू पी आर) ऑनलाइन के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि को अग्रेषित करने के तरीके से भी अवगत किया गया। टोलिक (उपक्रम) के अधीन आनेवाले 16 सदस्य कार्यालयों के राजभाषा से जुड़े 18 अधिकारी/कर्मचारी इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए ।

राजभाषा नीति पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम

टोलिक (उपक्रम) अपने सदस्य कार्यलय के कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम 24.09.2025 को एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया। आर बी आई के सहायक महा प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती लक्ष्मी एस और सहायक प्रबंधक (राजभाषा), डॉ.मायालक्ष्मी आर इस कार्यक्रम के संकाय सदस्य थी। इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम में सदस्य कार्यालयों के 26 अधिकारी/ कर्मचारी प्रशिक्षित किए गए और उन्हें राजभाषा अधिनियम, नियम, नेमी टिप्पणियाँ, तकनीकी शब्दावली आदि के बारे में अवगत कराया गया।

टिप्पण व आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

टोलिक (उपक्रम) द्वारा सदस्य संगठनों के कर्मचारियों के लिए टिप्पण व आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण 18 मार्च, 2026 को पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र, एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी में आयोजित किया गया। क्लास का संचालन श्री सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), आयकर विभाग द्वारा किया गया। उनके द्वारा राजभाषा नीति के बारे में व्याख्या देने के साथ - साथ टिप्पण एवं आलेखन पर अभ्यास प्रशिक्षण दिया गया। जो कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढाने और उनके कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के सही और सरल शब्दों के प्रयोग करने के लिए अपेक्षित ज्ञान मिलने के लिए सहायक था। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) द्वारा किया गया। इसमें सदस्य कार्यालयों से 18 अधिकारी/ कर्मचारियों की भागीदारी हुई।

प्रशासनिक प्रधानों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम

टोलिक (उपक्रम) के संयुक्त हिंदी पखवाडा समारोह के सिलसिले में, सदस्य कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम 5 दिसंबर, 2025, अपराह्न 2.30 बजे से सायं 5.00 तक अक्षया हॉल, पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के निदेशक (वित्त) श्री रमेश पी द्वारा किया गया और हरेक कार्यालय में हिंदी कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भाषण दिया। डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) ने सबका स्वागत किया। क्लास का संचालन आरबीआई के सहायक महा प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती लक्ष्मी एस ने किया। सदस्य कार्यालयों से 18 प्रशासनिक प्रधान उपस्थित हुए। यह कार्यक्रम सभी को लाभदायक रहा। अंत में, श्री जज्जी मैत्यु, हिंदी परामर्शदाता, सी-डैक ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

1. सामान्य आदेश	General Order
2. संकल्प	Resolution
3. नियम	Rules
4. अधिसूचना	Notification
5. प्रेस संसूचनायें/विज्ञप्तियाँ	Press Communiques/Releases
6. संविदा	Contracts
7. करार	Agreements
8. अनुज्ञप्तियाँ	Licenses
9. अनुज्ञापत्र	Permits
10. सूचना	Notice
11. निविदा प्रपत्र	Forms of Tender
12. निविदा सूचनायें	Tender Notices
13. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाले शासकीय कागज़ातें	Official Papers to be laid before a House or Houses of Parliament
14. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें	Administrative and other reports to be laid before a House or Houses of Parliament

अंतर नराकास हिंदी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह, 2025 के सिलसिले में, नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में अंतर नराकास हिंदी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता (समूह) 25.11.2025 को सर्गम हॉल, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गयी । इस कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री वी.कुट्टप्पन पिल्लै द्वारा किया गया। श्री जगदीश कुमार, वरिष्ठ महा प्रबंधक (एच आर), सी-डैक ने आशीर्वाद भाषण दिया। श्रीमती स्मिता.एल.जी, यूनिट मुख्य,एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी और श्री षिबु, हिंदी अधिकारी, बीएसएनएल ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। इस प्रतियोगिता में तिरुवनंतपुरम के चार नराकासों के सदस्य कार्यालयों से 15 टीम ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के बाद शाम को आयोजित समारोह के दौरान एचएलएल के निदेशक (वित्त) श्री रमेश पी द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चौथा पुरस्कार के लिए क्रमशः एस बी आई (बैंक टोलि), इसरो जड़त्वीय प्रणाली एकक - टोलिक (कार्यालय - I), केनरा बैंक (बैंक टोलिक), पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रिज़र्व पुलीस बल, पल्लीपुरम - टोलिक (कार्यालय - I) हकदार बन गये। इस अवसर पर डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) और श्री हरिकृष्णन, उप महा प्रबंधक, हड्को ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद की भूमिका निभायी।

इस कार्यक्रम का प्रायोजन सी-डैक, तिरुवनंतपुरम द्वारा किया गया।

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह

केंद्र गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार विद्यमान वर्ष के हिंदी दिवस और हिंदी पखवाडा का उद्घाटन 14 सितंबर, 2025 को गुजरात, गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित किया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 'हिंदी दिवस 2025' और पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस समारोह में एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) डॉ.आर.सुरेषकुमार ने भाग लिया। आगे नराकास (उपक्रम) के संयुक्त हिंदी पखवाडा समारोह वैविद्यपूर्ण कार्यकलापों से मनाया गया।

कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगिताएँ

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह के तत्वावधान में नराकास के सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें - स्मरण परीक्षा (हिंदी स्टॉफ के लिए), शब्द शक्ति जैसे दो नयी प्रतियोगिताओं के साथ टिप्पण व आलेखन और अनुवाद, तस्वीर क्या बोलती है, हिंदी विज्ञापन, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी वक्तृता, देश भक्ति गीत (ग्रूप), हिंदी श्रुतलेख (मल्टी टास्क स्टॉफ के लिए), कविता पाठ प्रतियोगिताएं - 12.11.2025 और 13.11.2025 को जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पेरूरकड़ा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में 61 अधिकारियों/ कर्मचारियों की भागीदारी हुईं। देशभक्ति गीत (समूह) प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थान हासिल किये टीम को अंतर नराकास देशभक्तिगीत प्रतियोगिता के लिए चुनाया गया। कर्मचारियों के बच्चों, यानी प्राइमरी स्तर से लेकर कॉलेज स्तर तक के बच्चों के लिए 16 नवंबर 2025 को देश भक्ति गीत, हिंदी कविता पाठ, हिंदी फिल्मी गीत, हिंदी श्रुतलेख, हिंदी सुलेख, हिंदी निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में 22 छात्र/छात्राओं ने भाग लिये। **बच्चों के लिए प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का प्रायोजन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, तिरुवनंतपुरम द्वारा किया गया।**

राजभाषा निरीक्षण - नराकास (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों में 26&27 नवंबर 2025 को श्रीमती गिरिजा कुमारी, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया गया। नराकास (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन में लगातार प्रगति लाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देकर राजभाषा कार्यान्वयन में उच्च स्तर पर आनेवाले कार्यालयों को उत्कृष्ट राजभाषा कार्य निष्पादन पुरस्कार, उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार प्रदान करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण आयोजित किया गया।

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा

समापन समारोह

एचएलएल के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र, पेरूरकडा फैक्टरी में 03.02.2026 को संयुक्त हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह अत्यंत सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। ईश्वर वंदना से प्रारंभित समारोह में वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने सभी का स्वागत करते हुए टोलिक के कार्यकलापों पर सदस्य कार्यालयों के सहयोग एवं समर्थन पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् एचएलएल के उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) डॉ. राजेश रामकृष्णन ने समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि टोलिक की मुख्य जिम्मेदारी अपने सदस्य कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन को बढावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करना, राजभाषा के कार्यान्वयन में आनेवाली चुनौतियों पर चर्चा करना तथा उनके समाधान हेतु सुझाव प्रदान करना है। हर वर्ष नवीन कार्यक्रमों के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप इस वर्ष टोलिक को क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर नराकास राजभाषा पुरस्कार मिले हैं। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों को हार्दिक बधाई दी। साथ ही संयुक्त हिंदी पखवाडा के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों एवं बच्चों की सक्रिय भागीदारी की सराहना भी की। इस अवसर पर संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह के तत्वावधान में नराकास के सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों और बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार, प्रोत्साहन योजना पुरस्कार, पारंगत परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त कर्मचारियों के लिए पुरस्कार आदि वितरित किये गये ।

श्री षिबु.ए.पी, राजभाषा अधिकारी, मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय, बीएसएनएल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया । राष्ट्रगीत के साथ इस समारोह की समाप्ति हुई।

दक्षिण क्षेत्रीय हिंदी लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता

राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढावा देने के उद्देश्य से नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में 16 जनवरी, 2026 को ऑनलाइन के माध्यम से दक्षिण क्षेत्र के नराकासों के सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए हिंदी लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे हम कर्मचारियों के मन में हिंदी के प्रति रुचि तथा उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति बढाने को लक्ष्य करते हैं । इसमें 24 नराकासों से 87 कर्मचारियों ने भाग लिए। वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) डॉ.सुरेष कुमार.आर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

विजेताओं को प्रथम, दूसरे, तीसरे और चौथे पुरस्कार के रूप में क्रमशः रु.4000/-, रु.3000/-, रु. 2000/- और रु.1000/- और रु.500/- के पाँच सांत्वना पुरस्कार और प्रमाण-पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता में प्रथम, दूसरे, तीसरे और चौथे पुरस्कार क्रमश: श्रीमती संजू सिंह, सब् डिविजनल इंजीनियर, बीएसएनएल, चेन्नई टेलीफोन्स, नराकास (पीएसयु) चेन्नई, श्री अनूप चौहान, आशुलिपिक ग्रेड II, पीएजी (ए&ई), विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, नराकास विजयवाड़ा, श्री आशीष कुमार धर, सहायक प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, कोल्लम नराकास कोल्लम, श्री दुष्यंत यादव, प्राथमिक शिक्षक (संगीत), केंद्रीय विद्यालय तलश्शेरी, नराकास कन्नूर को प्राप्त हुआ।

श्री रंजय सिंह, पीआरटी, केंद्रीय विद्यालय कासरकोड, नराकास कासरकोड, श्रीमती निहारिका अग्रवाल, एएसओ, सीईसीआरआई-सीएसआईआर, कराईकुडी, तमिलनाडु, नराकास कराईकुडी, श्री अमन वर्मा, पीआरटी, केंद्रीय विद्यालय तलश्शेरी, नराकास कन्नूर, श्रीमती जिनी पी, पीजीटी, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पट्टम शिफ्ट II, तिरुवनंतपुरम, नराकास(कार्यालय - I) तिरुवनंतपुरम, श्री हरिकृष्णन जी, प्रबंधक, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, नराकास कोच्चि को सांत्वना पुरस्कार भी मिले। **एम.एस.टी.सी लिमिटेड, तिरुवनंतपुरम द्वारा इस कार्यक्रम का प्रायोजन किया गया।**

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार

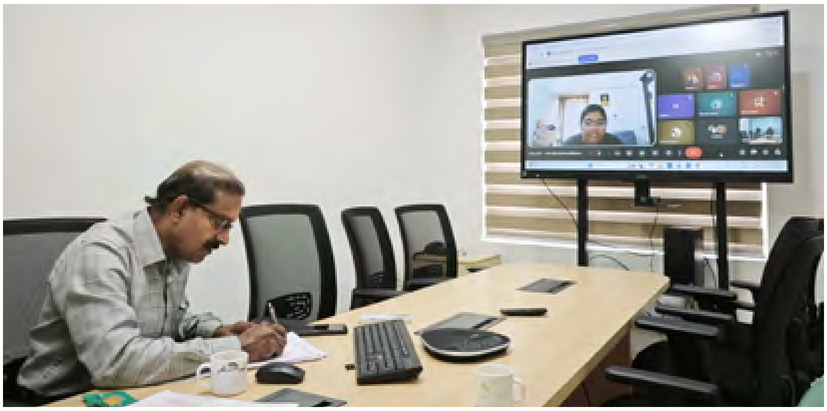

नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में हर साल कॉलेज के विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति लगाव बढाने, डिजिटल माध्यमों से हिंदी के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार हेतु कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस श्रेणी में, प्रचलित वर्ष में केरल के विविध कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए 7 मार्च, 2026 को "सामाजिक मीडिया पर संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की भूमिका" विषय पर राज्य स्तरीय राजभाषा सेमिनार ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 15 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) के अभिनंदन भाषण से कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ।

विजेताओं को प्रथम, दूसरे, तीसरे और चौथे पुरस्कार के रूप में क्रमशः रु.2000/-, रु.1500/-, रु. 1000/- और रु.500/- के नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सिस्टर ब्लेसी टी ए, आचार्या कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन,केरल हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम, दूसरा पुरस्कार सुश्री रषीदा.एन आचार्या कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन,केरल हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम, तीसरा पुरस्कार सुश्री एस. स्वाति, पीएच.डी. शोधार्थी, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी और सुश्री आर्या नंदा, स्नातक, श्री नारायणा कॉलेज, चेंपष्न्ती, तिरुवनंतपुरम और चौथा पुरस्कार सुश्री नयना सुरेष, पीएच.डी. शोधार्थी, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी ने हासिल किया। प्रतियोगिता में भाग लिये सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये।

भाषिणी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

टोलिक (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'भाषिणी और भाषादान में योगदान' पर व्यावहारिक प्रशिक्षण 24 फरवरी, 2026 को अक्षय हॉल, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम में अपराह्न 02.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, भाषिणी के माध्यम से भारतीय भाषाओं के संवर्धन, तकनीकी विकास तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रत्साहित करना है। इससे कर्मचारी हिंदी में डिजिटल और आधिकारिक संचार आसानी से कर सकते हैं। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से इस कार्यक्रम में भाग लिया। डिजिटल इंडिया, भाषिणी डिवीजन के राज्य सहभागिता प्रबंधक, श्री अजित पी सुरेष ने क्लास का संचालन किया। भाषिणी टूल के माध्यम से हिंदी तथा अन्य भाषाओं में आसानी से अनुवाद कार्य करने के तरीके पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे टोलिक (उपक्रम) के 16 सदस्य कार्यालयों के राजभाषा से जुड़े 18 अधिकारी/कर्मचारी लाभान्वित हुए । वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) डॉ.सुरेष कुमार.आर द्वारा सभी का स्वागत किया गया।

काव्य तरंग (भारतीय भाषा कवि सम्मेलन & हिंदी संगीतोत्सव)

प्रचलित वर्ष के दौरान तिरुवनंतपुरम नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में 12 मार्च, 2026 को 'काव्य तरंग' (भारतीय भाषा कवि सम्मेलन & हिंदी संगीतोत्सव) नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम एचएलएल के जेएनसीएमडब्लियुसी हॉल, पेरूरकड़ा फैक्टरी में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र यानी भारतीय भाषा कवि सम्मेलन से हमारा लक्ष्य है, टोलिक (उपक्रम), तिरुवनंतपुरम के विविध सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी स्वरचित कवितायें, चाहे वह हिंदी में हो या अन्य भारतीय भाषाओं में, प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान करना और उनकी भाषा कुशलता, सृजनात्मकता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना । जिससे मानसिक उत्साह के साथ-साथ कार्य क्षमता भी बढ जाती है। हिंदी संगीतोत्सव में हिंदी फिल्मी गीत, अंताक्षरी जैसे मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में टोलिक (उपक्रम), तिरुवनंतपुरम के विविध सदस्य कार्यालयों

से 24 अधिकारी/कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिये । सभी प्रतिभागियों को रु.200/- का नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, टोलिक (उपक्रम) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड

टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और हिंदी वार्तालाप सत्र

कंपनी के संघ नेताओं को सरकारी काम हिंदी में भी करने को प्रेरित करने और उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने की ओर टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और हिंदी वार्तालाप सत्र 24.04.2025 को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित किया गया। कार्यशाला का उद्‌घाटन, एचएलएल के महा प्रबंधक (गुणवत्ता एवं सुरक्षा प्रशिक्षण), श्री वेणुगोपाल एस ने किया । कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत एवं कृतज्ञता ज्ञापन, क्रमशः डॉ.सुरेष कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), सीएचओ और श्रीमती एस.बिंदु, उप प्रबंधक (एच आर), पीएफटी ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने किया। इस कार्यशाला से 30 कर्मचारीगण प्रशिक्षित हुए।

राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम

कंपनी में नव नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम व नियम के बारे में अवगत कराने तथा अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित करने की ओर 02.12.2025 को पेरूरकडा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ.अबी संतोष अप्रेम, महा प्रबंधक (आर&डी) द्वारा किया गया। इस परिचय कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से अठारह अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में श्री सुमेश पी के, प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई और दूसरे सत्र में श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय द्वारा क्लास का संचालन किया गया। इन दोनों सत्रों से कर्मचारियों को राजभाषा नीति तथा टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) और श्रीमती बिंदु.एस, उप प्रबंधक (एच आर) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला।

अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं हिंदी वार्तालाप पर जागरूकता प्रशिक्षण सत्र

हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में पेरूरकड़ा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में 23.09.2025 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं हिंदी वार्तालाप पर जागरूकता प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य, कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराना, साथ ही साथ दौरे पर जाते समय स्पष्ट एवं प्रभावी ढंग से हिंदी में बातचीत करने के लिए सहयक व्यावहारिक प्रशिक्षण देना। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन, पेरूरकड़ा फैक्टरी के महा प्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास), डॉ.अबी संतोष अप्रेम ने किया। कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत एवं कृतज्ञता ज्ञापन, क्रमशः डॉ.सुरेष कुमार. आर, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा) और श्रीमती अर्चना देवी, हिंदी अनुवादक ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने किया। इस कार्यशाला से 25 प्रतिभागी प्रशिक्षित किये गये।

राजभाषा निरीक्षण

कंपनी के हरेक कर्मचारी अपना अधिकाधिक शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर हम बीच - बीच में कंपनी के सभी अनुभागों का निरीक्षण करते हैं। साथ ही कंपनी के विभिन्न यूनिटों के बीच में संस्थापित राजभाषा चल वैजयन्ती एवं अग्रणी अनुभाग पुरस्कार से यूनिट एवं अनुभाग को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इस दृष्टि से 26.09.2025 को श्रीमती गिरिजा कुमारी.डी.टी, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, तिरुवनंतपुरम द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी, कनगला फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी, मुंबई कार्यालय और सहायक कंपनी हाइट्स का राजभाषा निरीक्षण करके आवश्यक मार्गनेर्देश दिये गये।

हिंदी पखवाड़ा समारोह -2025

हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी हमारी 'राष्ट्रभाषा' भी है। हर वर्ष '14 सितंबर' को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी भाषा का महत्व सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर है, जो एकता का प्रतीक है और भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक प्रमुख आधिकारिक भाषा है और व्यापार, मीडिया तथा कला के क्षेत्र में आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ 14 सितंबर 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं प्रदर्शनी केंद्र, गाँधी नगर, गुजरात में संपन्न हुआ था।

हिंदी प्रतियोगिताएँ - आगे, हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में कंपनी में 20 & 21 सितंबर 2025 को क्रमशः कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन, अनुवाद, प्रशासनिक शब्दावली और टिप्पण व आलेखन, हिंदी विज्ञापन, स्मरण परीक्षा, हिंदी समाचार वाचन, हिंदी कविता पाठ, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इसमें 30 कर्मचारियों की भागीदारी हुई । कर्मचारियों के बच्चों के लिए हिंदी निबंध लेखन, अनुवाद, स्मरण परीक्षा, हिंदी वाचन, हिंदी सुलेख, हिंदी श्रुतलेख, हिंदी कविता पाठ, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाडा - समापन समारोह

हिंदी पखवाडा का समापन समारोह 10.11.2025 को पेरूरकड़ा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करके एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.अनिता तंपी ने कहा कि मातृभाषा के साथ अन्य भाषायें पढना और उपयोग करना अच्छी बात है। पर हिंदी संघ सरकार की राजभाषा होने के नाते अपनी सरकारी कामकाज में इस भाषा का भी अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। समारोह में श्री अजीत.एन, निदेशक (विपणन) और श्री रमेश.पी, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ ने आशीर्वाद भाषण दिया। श्रीमती एल.जी स्मिता, यूनिट मुख्य - पीएफटी और श्री मुकुंद. आर, यूनिट मुख्य - एएफटी ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया। समारोह में ईश्वर वंदना श्रीमती शालिनी पी.वी, वरिष्ठ प्रबंधक (आई टी) और कंपयरिंग श्रीमती गौरी.एस, हिंदी अनुवादक, एएफटी द्वारा किया गया।

बाद में, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कंपनी के अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं और एसएसएलसी परीक्षा में हिंदी विषय में 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त कर्मचारी के बेटी को पुरस्कार प्रदान किए गए।

उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता।

कंपनी के वरिष्ठ कार्यपालकों के मन में भी हिंदी का परिवेश लाने की दृष्टि से 17.11.2025 को उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता सामान्य रूप से राजभाषा नीति, निर्देशों और सरल हिंदी नेमी कार्यालयीन टिप्पणियों पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता में कंपनी के विविध यूनिटों के 6 कार्यपालकों ने भाग लिया। श्री सतीश आर, संयुक्त महा प्रबंधक (क्यूए), एचएलएल-पीएफटी, श्रीमती अपर्णा ए वी, उप महा प्रबंधक (ईटीडी), एचएलएल-पीएफटी और श्री राजीव आर वी, सह उपाध्यक्ष (डिज़ाइन एवं विकास & सुरक्षा), एचएलएल-सीएचओ को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ और बाकी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

अखिल भारतीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

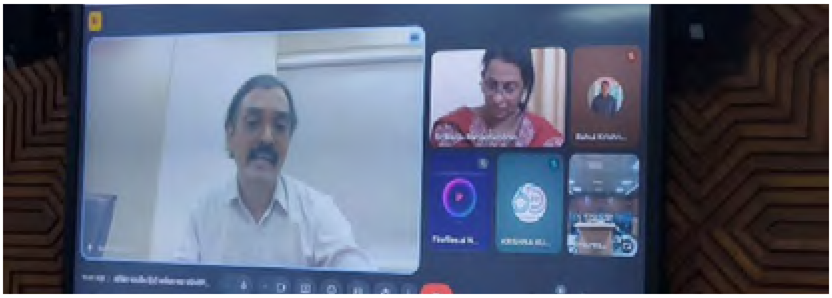

विश्व हिंदी दिवस समारोह के सिलसिले में कंपनी के राजभाषा विभाग ने अपने सभी यूनिटों एवं कार्यालयों के हिंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 9 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक ऑनलाइन के ज़रिए श्रीमती महादेवी वर्मा और श्री सुमित्रानंदन पंत की कविताओं पर एक अखिल भारतीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रत्येक यूनिट से अधिकतम 3 प्रतिभागी भाग ले सकते थे। कंपनी के विविध यूनिटों, सहायक कंपनियों एवं कार्यालयों के 32 कर्मचारियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। एचएलएल-केएफसी के श्री सुदीप बी, उप महा प्रबंधक (उत्पादन एवं इंजीनियरी) तथा डॉ.पार्वती जे, अनुसंधान वैज्ञानिक, सीआरडीसी को प्रथम एवं द्वितीय स्थान और श्रीमती नबीज़त, भंडार सहायक, पीएफटी तथा डॉ. संतोष कुमार शुक्ला, वैज्ञानिक ई 2 को तृतीय स्थान और श्री कृष्ण कुमार. रजक, उप प्रबंधक(ईएमसी/ईएमआई लैब), एचएलएल-नोएडा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए। डॉ.मंजु रामचन्द्रन, सेवानिवृत्त प्राचार्य, गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कुलत्तूर, नेय्याट्टिनकरा ने इस प्रतियोगिता का निर्णायक रहा। डॉ.सुरेष कुमार. आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया।

हिंदी रंगोत्सव और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन के प्रोन्नमन के भाग के रूप में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 13 फरवरी 2026 को हिंदी रंगोत्सव और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रश्नोत्तरि प्रतियोगिता में 8 टीमों ने भाग लिए। इस प्रतियोगिता में मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, तिरुवनंतपुरम के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने विधि निर्णायक का काम संभाला। सभी टीमों ने बहुत सक्रिय रूप से भाग लिये। टीम सी (सुश्री आमिना एस & श्री राजकिरण, पेरूरकडा फैक्टरी) को प्रथम पुरस्कार, टीम बी (सुश्री अखिला एम एस & श्री निथिन अशोक, पेरूरकडा फैक्टरी) को द्वितीय पुरस्कार और टीम ए (सुश्री रेवती ए & सुश्री ऐश्वर्या, पेरूरकडा फैक्टरी) एवं टीम जी (श्रीमती लक्ष्मी आर & श्रीमती मंजुला जी आर, हाइट्स) को तृतीय पुरस्कार मिला। कुल-मिलाकर 16 कर्मचारियों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिये । बाद में, कंपनी के विविध यूनिटों के कर्मचारियों की सहभागिता से हिंदी रंगोत्सव शानदार तरीके से आयोजित किया गया।

स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगितायें

हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के भाग के रूप में एचएलएल द्वारा चिन्नम्मा मेमोरियल सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम के विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों के लिए 11.11.2025 को विविध हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में स्कूल के विभिन्न स्तर के 55 विद्यार्थीगण ने अत्यंत उत्सुकता के साथ भाग लिए। उन प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का संचालन एचएलएल निगमित मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा किया गया।

करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

हिंदी स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम पढने वालों को अपने आगे के कैरियर के विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराने की ओर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम के विद्यार्थियों के लिए 6.2.2026 को करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र में डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी के क्षेत्र में नौकरी मिलने की संभावनायें, नौकरी ढूँढने एवं आवेदन देने के तरीका के बारे में भाषण दिया। इस कार्यक्रम में अठारह विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हुई। ईश्वर वंदना से प्रारंभित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ.रम्या, एसोसियेट प्रोफसर ने अध्यक्षता की। विद्यार्थियों ने स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। सत्र के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने अपनी शंकायें दूर करने की कोशिश की।

टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 25.03.2026 को टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से हमारा लक्ष्य था, अपने कर्मचारियों को हरेक अनुभाग में प्रयुक्त टिप्पणियों से परिचित करना और सरकारी पत्र हिंदी में भी आलेखन करने के लिए अभ्यास देना। कार्यशाला का उद्घाटन, पेरूरकड़ा फैक्टरी के महा प्रबंधक(आर&डी), डॉ.एबी संतोष अप्रेम ने किया। कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत, डॉ.सुरेष कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा) ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से 22 अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार कार्यालय - केरल परिमंडल

राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट

मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार केरल परिमंडल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित कार्यालय है । इस कार्यालय भारत संचार निगम लिमिटेड के केरल का मुख्यालय है। इसके अधीन 11 व्यवसाय क्षेत्र और अनेक दूरभाष केंद्र कार्यरत हैं। इस कार्यालय में 200 अधिकारियाँ और 25 कर्मचारियाँ कार्यरत हैं जिनमें 5 स्टाफ प्रवीणता प्राप्त हैं और बाकि सभी ने कार्यसाधक ज्ञान हासिल किए हैं । कार्यालय प्रमुख और रा.भा.का समिति के अध्यक्ष श्री आर सजि कुमार, आईटीएस राजभाषा कार्यान्वयन में कुशल मार्गदर्शन कर रहे हैं । संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कार्यालय का निरीक्षण दि.10.01.2025 को किया गया था और समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन संतोषजनक प्रमाणित किया है । कार्यालय के सभी कंप्यूटर युनीकोड़ सक्रिय है । राजभाषा विभाग द्वारा प्रावधानित कंठस्थ अनुवाद टूल्स इंट्रानेट पर उपलब्ध कराया गया जिसका प्रयोग हर कर्मचारी आसानी से कर सकता है । अधिकारी स्तर और कर्मचारी स्तर की नेमी टिप्पणियों की द्विभाषी सूची इंट्रानेट पर प्रदर्शित है। वेबसाईट www. kerala.bsnl.co.in द्विभाषी है । ई-पत्रिका दिशा का वार्षिक अंक इंट्रानेट पर सभी पढ सकते हैं। फाइल संचलन पूर्णत: ई-ऑफीस पर है जिसमें टिप्पणी हिंदी में करने की सुविधा प्रावधानित है। तिमाही प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से ऑनलाईन तौर पर राजभाषा विभाग को भेजी जाती है जिसकी प्रति मुख्यालय दिल्ली को भी।

कार्यालय में हर तिमाही में नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की जा रही है जिसमें राजभाषा के सफल कार्यान्वयन की सक्रिय चर्चा हो जाती है। हर साल राजभाषा नियमों के सफल

कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु जाँच बिंदु स्थापित करके परिचालित किए जाते हैं। प्रवीणता प्राप्त कार्मिकों को हर साल व्यक्तिश: आदेश ज़ारी किए जाते हैं। संपूर्ण कार्य हिंदी में करने हेतु 04 इकाईयों को विनिर्दिष्ट करते हुए आदेश जारी किया गया है। हर तिमाही में हिन्दी कार्यशाला आयोजित की जाती है जिनमें राजभाषा नियमों के व्याख्यान देते हुए कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। मूल कार्य हिंदी में करने को प्रोत्साहन देने हेतु कार्यालय में तिमाही प्रोत्साहन योजना लागू किया गया है।

हिंदी पखवाड़ा 2025

दि. 15.09.2025 से 29.09.2025 तक हिंदी पखवाड़ा 2025, धूमधाम से मनाया गया। पखवाड़ा के दौरान कर्मचारियों के लिए 06 और बच्चों के लिए 03 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और 1 विशेष हिंदी कार्यशाला भी। दि. 29.09.2025 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ.जॉर्ज पी.आई, पी.एचडी, डी.लिट, हिंदी विभागाध्यक्ष,सैनिक स्कूल,कऴक्कूटम मुख्य अतिथि थे।

पिछले साल 3(3) दस्तावेज के अधीन 39 दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में ज़ारी किए गए और हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया गया। क्षेत्र – क को 65% और क्षेत्र – ग को 66% प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किए गए। हिंदी टिप्पणियों का प्रतिशत – 52% है। पिछले साल रु. 2,000/= की हिन्दी किताबें खरीदी गई। नराकास(उ), तिरुवनंतपुरम के विविध कार्यक्रमों में बीएसएनएल की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किया जा रहा है। पिछले दोनों बैठकों में कार्यालय प्रधान उपस्थित थे। भारत संचार निगम लि. हिंदी के प्रचार प्रसार हमेशा करते रहते हैं।

हिंदी पत्रिका का विमोचन

संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भाषाएं

1. असमिया	6. गुजराती	11. मराठी	16. मणिपुरी	21. बोडो
2. उड़िया	7. तमिल	12. मलयालम	17. नेपाली	22.डोगरी
3. उर्दु	8. तेलुगु	13. संस्कृत	18. कोंकणी	
4. कन्नड़	9. पंजाबी	14. सिन्धी	19. मैथिली	
5. कश्मीरी	10. बंगला	15. हिंदी	20. संथाली	

हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को) क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनन्तपुरम

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हड्को मुख्यालय द्वारा भेजे गए परिपत्र दिनांक 03.09.2025 के अनुसार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनन्तपुरम में 14.09.2025 से 29.09.2025 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपनी राजभाषा हिंदी के प्रयोग को अधिक प्रोत्साहित करें तथा कार्यालयीन कार्यों में इसके उपयोग को बढ़ावा दें। यह न केवल हमारे संवैधानिक दायित्व की पूर्ति है, बल्कि आत्मगौरव की भी अभिव्यक्ति है। हिंदी पखवाड़ा के दौरान विविध कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का उद्‌घाटन (15.09.2025)

नोडल अधिकारी एवं संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना) ने क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्यामकुमार एस, मुख्य अतिथि श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), आयकर विभाग और उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का हिन्दी पखवाड़ा के उद्‌घाटन समारोह में स्वागत किया। नोडल अधिकारी ने समिति को अवगत कराया कि छुट्टियों के कारण 14 सितंबर को हिंदी दिवस नहीं मनाया गया और सभी लोगों की उपस्थिति में आज हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। नोडल अधिकारी ने उपस्थित सभी को हिंदी दिवस के बारे में जानकारी दी और हिंदी पखवाड़ा के उद्‌घाटन के लिए श्री सोमदत्तन ए को आमंत्रित किया। श्री सोमदत्तन ने समिति को संबोधित करते हुए भारत सरकार की राजभाषा नीति तथा राजभाषा के प्रति हमारा दायित्व और हर वर्ष हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता आदि के बारे में बताया। नोडल अधिकारी ने क्षेत्रीय प्रमुख को आशीर्वाद भाषण देने के लिए आमंत्रित किया, क्षेत्रीय प्रमुख ने हिन्दी दिवस के बारे में बताया गया और उपस्थित सभी को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। क्षेत्रीय प्रमुख ने हिंदी पखवाडा के आयोजन को सफल बनाने के लिए समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से सहयोग देने का अनुरोध किया । उन्होंने यह भी बताया कि नोडल अधिकारी द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा विविध ज्ञानवर्धक तथा मनोरंजक प्रतियोगिताओं के साथ मनाने का सुझाव रखा है। इस अवसर पर तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय की गृह पत्रिका संकल्प की एक प्रति मुख्य अतिथि श्री सोमदत्तन को दिया गया ।

उद्‌घाटन समारोह के उपरांत श्री सोमदत्तन ए द्वारा 'कार्यालय में प्रयुक्त राजभाषा हिन्दी का प्रयोग' नाम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् कर्मचारियों को तीन ग्रूपों में बाँटकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्नलिखित है:-

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार (ग्रूप सी) - श्रीमती सुजा एस, संयुक्त महा प्रबन्धक (परियोजना)
श्रीमती फेमीला लथीफ, संयुक्त महा प्रबन्धक(आई टी)
श्री नवीन राज आर ,वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
श्री हरिकुमार ए , एमटीएस
द्वितीय पुरस्कार (ग्रूप बी) - श्रीमती श्रीविद्या एस, संयुक्त महा प्रबंधक (विधि), स्नेहा एस,सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी), श्री वेणुगोपाल पी, उप महा प्रबंधक (परियोजना), श्री हाम सिंग ओलिवर,संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)।
तृतीय पुरस्कार(ग्रूप ए) - श्रीमती जीगीताकुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त), श्री कार्तिकेयन के, संयुक्त महा प्रबंधक(परियोजना), श्री श्याम कुमार एस, क्षेत्रीय प्रमुख, श्री नन्दन नायर, सीएमए (प्रशिक्षणार्थी)।

तस्वीर क्या बोलती है

नोडल अधिकारी द्वारा 'तस्वीर क्या बोलती है' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।
प्रथम पुरस्कार -श्रीमती श्रीविद्या एस,संयुक्त महा प्रबंधक (विधि)।
द्वितीय पुरस्कार - श्री श्यामकुमार एस, क्षेत्रीय प्रमुख; तृतीय पुरस्कार - श्री नवीनराज आर, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
प्रोत्साहन सम्मान – श्रीमती सुजा एस, संयुक्त महा प्रबन्धक (परियोजना)

हस्तलेखन प्रतियोगिता

नोडल अधिकारी द्वारा कर्मचारियों केलिए हस्तलेखन और श्रुतलेख प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।

प्रथम पुरस्कार- स्नेहा एस, सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी); द्वितीय पुरस्कार- श्री नन्दन नायर, सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी); तृतीय पुरस्कार- श्री भाग्यनाथ आर, ड्राईवर

श्रुतलेख प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार- श्री नन्दन नायर, सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी); द्वितीय पुरस्कार- स्नेहा एस, सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी); तृतीय पुरस्कार- श्री भाग्यनाथ आर, ड्राईवर।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नोडल अधिकारी द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में सब लोगों ने रोचक के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का परिणामनिम्नलिखित है।

प्रथम पुरस्कार(ग्रूप बी) - श्रीमती श्रीविद्या एस, संयुक्त महा प्रबंधक (विधि)
श्री हाम सिंग ओलिवर, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
श्री वेणुगोपाल पी, उप महा प्रबंधक (परियोजना)
श्री हरिकुमार ए, एमटीएस

द्वितीय पुरस्कार (ग्रूप सी) - श्री कार्तिकेयन के, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
श्रीमती सुजा एस,संयुक्त महा प्रबन्धक (परियोजना)
श्री नन्दन नायर, सीएम ए (प्रशिक्षणार्थी)
श्रीमती जी गीताकुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

तृतीय पुरस्कार (ग्रूप ए) - श्री श्यामकुमार एस, क्षेत्रीय प्रमुख
श्री नवीन राज आर, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
श्रीमती फेमीला लथीफ, संयुक्त महा प्रबन्धक (आई टी)
स्नेहा एस, सी एम ए (प्रशिक्षणार्थी)

हिंदी नोडल अधिकारी द्वारा **दफ्तरी वार्तालाप नामक प्रतियोगिता** आयोजित की गयी। एक ग्रूप में दो प्रतिभागी हैं, कुल पाँच ग्रुप हैं। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।

प्रथम पुरस्कार - श्री श्याम कुमार एस, क्षेत्रीय प्रमुख
श्री नवीन राज आर, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

द्वितीय पुरस्कार 1) श्री कार्तिकेयन के, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
श्रीमती सुजा एस, संयुक्त महा प्रबन्धक (परियोजना)
2) श्रीमती श्रीविद्या एस, संयुक्त महा प्रबंधक (विधि)
श्रीमती फेमीला लथीफ, संयुक्त महा प्रबन्धक (आई टी)

तृतीय पुरस्कार 1) श्री वेणुगोपाल पी, उप महा प्रबंधक (परियोजना)
श्रीमती जी गीताकुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
2) श्री हाम सिंग ओलिवर, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
स्नेहा एस, सीएमए (प्रशिक्षणार्थी)

जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता:-

श्रीमती एलियाम्मा टी, सहायक महाप्रबंधक एवं पूर्व हिंदी नोडल अधिकारी (सेवानिवृत्त) संचालक रही। उन्होंने, राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित जानकारी देते हुए वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने में क्षेत्रीय प्रमुख एवं प्रशासन अधिकारी के दायित्व आदि के संबंध में चर्चा की। उन्होंने प्रशासनिक शब्दावली तथा राजभाषा हिंदी का ज्ञान संबन्धित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।

प्रथम पुरस्कार(ग्रूप ए) - श्री श्यामकुमार एस,क्षेत्रीय प्रमुख
श्रीमती सुजा एस,संयुक्त महा प्रबन्धक (परियोजना)
स्नेहा एस,सीएमए (प्रशिक्षणार्थी)
श्री नवीन राज आर,वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)

द्वितीय पुरस्कार(ग्रूप सी) - श्री कार्तिकेयन के, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
श्री नन्दन नायर, सीएमए (प्रशिक्षणार्थी)
श्रीमती श्रीविद्या एस, संयुक्त महा प्रबंधक (विधि)
श्रीमती फेमीला लथीफ ,संयुक्त महा प्रबन्धक (आई टी)

तृतीय पुरस्कार (ग्रूप बी) - श्री वेणुगोपाल पी, उप महा प्रबंधक (परियोजना)
श्रीमती जी गीताकुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
श्री हाम सिंग ओलिवर, संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना)
श्री हरिकुमार ए, एमटीएस

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण

क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के अवसर पर सभी पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इन सभी कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर भविष्य में हम सब राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु सक्रिय रूप से कार्य करते रहेंगे एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हमेशा प्रयासरत रहेंगे। हिंदी पखवाडा के दौरान कार्यालय का वातावरण काफी उत्साहवर्धक रहा और कार्यालय के सभी सदस्यों ने इसका आनंद उठाया तथा इस आयोजन केलिए नोडल अधिकारी की सराहना की। नोडल अधिकारी ने भी सभी से पुनः अनुरोध किया, दैनिक काम-काज में अधिक से अधिक काम हिंदी में करें और कोई कठिनाई है तो कृपया नोडल अधिकारी से संपर्क करें। अंत में नोडल अधीकारी ने उपस्थित सभी को हिंदी पखवाड़ा के दौरान दिए सक्रियतापूर्वक सहयोग एवं सहभागिता केलिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

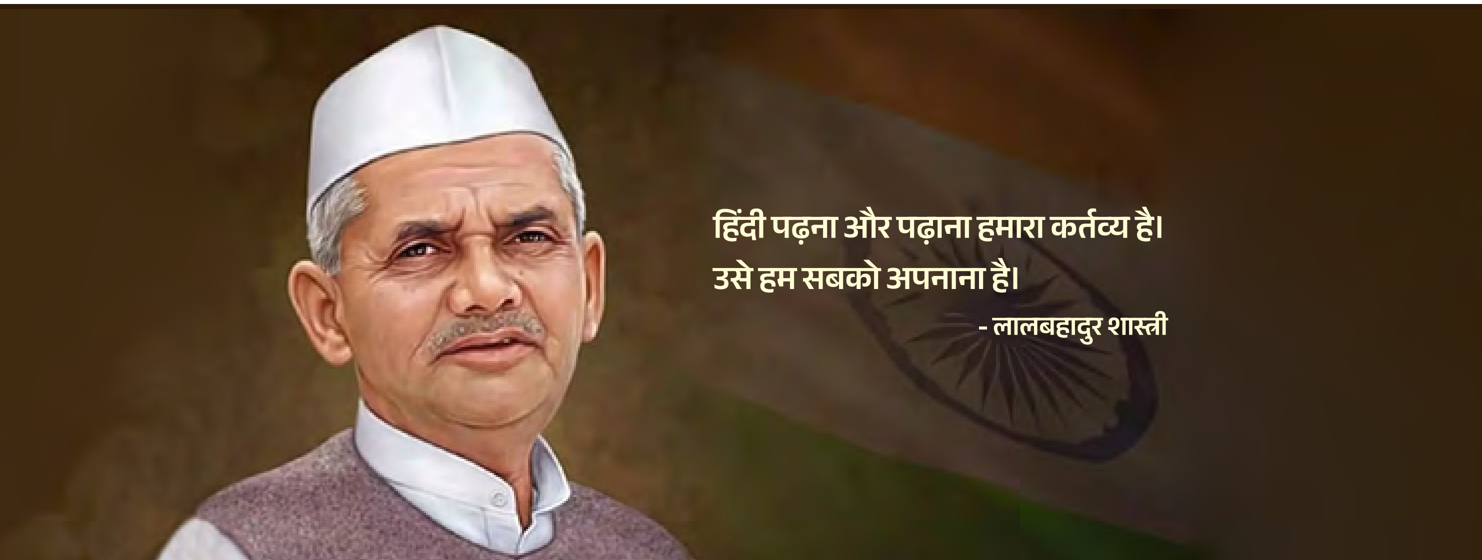

भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय,तिरुनंतपुरम

हिंदी पखवाडा समारोह 2025

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं भारतीय खाद्य निगम, मुख्यालय, नई दिल्ली/ आंचविक कार्यालय (दक्षिण), चेन्नै का राजभाषा संबंधी नीतियों के अनुपालन में भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में हिंदी पखवाड़ा 2025 समारोह के सफल आयोजन के लिए दिनांक 12.09.2025 को परिपत्र जारी किया गया एवं इसके विज्ञापन एवं प्रचार के लिए बैनर भी लगवाए गए। साथ ही साथ कार्यक्रमों के आयोजन की सूचना सभी अनुभागों से साझा करवाया गया, जिससे कि हिंदी पखवाड़ा के तहत, अधिकारियों और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता और रुचि उत्पन्न किया जाए। हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं - सुलेख, हिंदी फिल्मी गीत, प्रशासनिक शब्दावली, राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, तर्क-वितर्क प्रतियोगिता - में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ-चढ़कर उत्साह के साथ भाग लिया ।

हिंदी पखवाड़ा 2025 का समापन समारोह डॉ राजेश गुलिया, महा प्रबंधक (क्षेत्र/ राजभाषा) महोदय तथा श्री मनोज कुमार, उप महा प्रबंधक महोदय की उपस्थिति के साथ दिनांक 30.09.2025 अपराह्न 2.00 बजे को आयोजित किया गया।

समापन समारोह की शुरुआत श्रीमती शालिनी विक्रमन, प्रबंधक (सामान्य) द्वारा ईश्वर वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्री मवोज साव, सहायक श्रेणी-3 (राजभाषा) एवं श्रीमती शालिनी राजू, प्रबंधक (क्षेत्र राजभाषा) ने किया। महोदय ने क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम के कार्मिकों के राजभाषा हिंदी में उनके उत्साह एवं रुची का खुले दिल ले सराहना किया और सभी से अनुरोध किया कि केरल क्षेत्र द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन को भविष्य में भी बनाए रखे।

हिंदी पखवाडा 2025 के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को समापन समारोह में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये और पुरस्कार प्रदान करने के उपरांत महा प्रबंधक (क्षेत्र) महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक महत्व को रेखांकित करते हुए केन्द्र सरकार के कार्यालयों में कार्मिकों के बीच राजभाषा हिंदी के प्रयोजन एवं उसकी आवश्यकता के बारे में बताए एवं हिंदी पखवाडा 2025 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी।

अंत में, हिंदी पखवाडा 2025 का समापन श्रीमती शालिनी राजू, प्रबंधक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्र गान के साथ अपराह्न 04:00 बजे को हुआ।

भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, तिरुवनन्तपुरम

हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा - 2025

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निर्देशों के क्रम में भारतीय खाद्य निगम, मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 15 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस मनाया गया और 15 से 27 सितंबर 2025 तक मंडल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में हिंदी पखवाड़ा - 2025 "हिंदी - एकता की भाषा" का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाड़े का मकसद सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढावा देने और कर्मचारियों के मन में राजभाषा नीति को लागू करने के प्रति उत्साह पैदा करना था।

उद्घाटन समारोह

हिंदी पखवाड़ा - 2025 का शुभारंभ दिनांक 15 सितंबर, 2025 को भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती हसीना बाई द्वारा प्रस्तुत एक मधुर प्रार्थना गीत से हुआ, जिसने समारोह के वातावरण को भक्तिमय एवं प्रेरणादायी बना दिया।

इसके बाद पश्चा श्रीमती रुग्मा वी.एस द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार एवं कार्यालयीन प्रयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात् मंडल प्रबंधक श्री हेनरी प्रियन डीक्रूज़ द्वारा हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने हिंदी को एकता और प्रभावी प्रशासन की भाषा के रूप में रेखांकित करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार एवं अभिलेखन में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया।

इस हिंदी पखवाड़ा - 2025 के उद्घाटन समारोह से राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति सभी कर्मचारियों में नई ऊर्जा, उत्साह और प्रतिबद्धता लाने में हम समर्थ निकले।

हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता (17.09.2025)

कार्यालय में हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढकर भाग लिया। प्रतिभागियों ने "नागरिकों की भूमिका और सामुदायिक भागीदार " जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता (20.09.2025)

कार्यालयीन लेखन कौशल को बढावा देने हेतु हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिस में प्रतिभागियों ने विभागीय संप्रेषण शैली को हिंदी में प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

ऑनलाइन श्रुतिलेख / अनुवाद प्रतियोगिता (हिन्दी–अंग्रेज़ी / अंग्रेज़ी–हिन्दी

हिंदी पखवाड़ा - 2025 के अंतर्गत दिनांक 22 सितंबर 2025 को ऑनलाइन श्रुतिलेख एवं अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो मुख्यतः अनुवाद एवं प्रशासनिक पारिभाषिक शब्दावली पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद कौशल का विकास करना तथा राजभाषा हिंदी के प्रशासनिक प्रयोग में दक्षता को बढाना था।

प्रतिभागियों को निर्धारित समय में हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी में कार्यालयीन वाक्यों एवं प्रशासनिक शब्दावली का शुद्ध एवं सटीक अनुवाद प्रस्तुत करना था। इस प्रतियोगिता ने न केवल प्रतिभागियों की भाषाई सटीकता और शब्दावली की समझ को परखा, बल्कि राजभाषा हिंदी के व्यवहारिक प्रयोग में उनकी निपुणता को भी सुदृढ़ किया। प्रतियोगिता में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन कार्यालय में द्विभाषिक लेखन एवं पत्राचार की सटीकता, एकरूपता तथा आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ।

हिंदी पठन प्रतियोगिता

हिंदी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत, हिंदी पठन प्रतियोगिता का आयोजन 24 सितंबर, 2025 को किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी पठन की शुद्धता, उच्चारण की स्पष्टता तथा आत्वविश्वास को प्रोत्साहित करना था। निर्णयक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन उच्चारण, अभिव्यक्ति, स्पष्टता एवं आत्मविश्वास के आधार पर किया गया। इस प्रतियोगिता में मंडल कार्यालय, एफएसडी वलियाथुरा एवं एफएसडी कझकूट्टम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रश्नोत्तरी एवं हिंदी गीत (25.09.2025)

राजभाषा नीति पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं हिंदी गीत (एकल/समूह) प्रस्तुति का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत मनोरंजक और शिक्षाप्रद रहा, जिसमें टीम भावना एवं सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

प्रशिक्षण कार्यशाला - राजभाषा हिंदी का प्रयोग पत्राचार में (27.09.2025)

समापन दिवस के प्रातः कालीन सत्र में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें श्री जजी मैथ्यु, वरिष्ठ अनुवादक अधिकारी (सेवानिवृत्त) द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग की व्यवहारिक विधियाँ, ई - ऑफिस प्रणाली में हिंदी का उपयोग एवं कार्यालयीन पत्राचार की प्रक्रिय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

हिंदी पखवाडा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण

भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, त्रिवेंद्रम में दिनांक 27.09.2025 को हिंदी पखवाडा का समापन समारोह का आयोजन किया गया। समपापन समारोह के अवसर पर हिंदी अनुभाग द्वारा हिंदी कार्यशाला, अंताक्षरी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ - साथ पुरस्कार वितरण की व्यवस्था भी की गयी थी। उक्त कार्यक्रम के बाद मंडल प्रबंधक, श्री हेनरी प्रियन डीक्रूज ने कहा कि हिंदी दिवस/पखवाड़ा के लिए सभी को हार्दिक अभिनंदन। साथ ही हिंदी अनुभाग द्वारा संचालित हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई। हमारे कार्यालय में हिंदी दिवस/पखवाड़ा का आयोजन आनंदमय और रोचक रहा, धन्यवाद।

अंत में, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा हिंदी दिवस और हिंदी पखवाडा के आयोजन में सहयोग हेतु धन्यवाद के साथ, हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम को विराम दिया गया। इस प्रकार, हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा - 2025 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे कार्यालय में हिंदी के प्रति उत्साह एवं जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

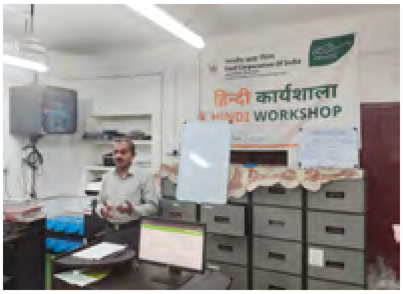

प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक), तिरुवनंतपुरम

राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए वर्ष 2025-2026 के दौरान किए उल्लेखनीय कार्यों/उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भारत सरकार के निदेशों के अनुसार,कार्यालय द्वारा हर तिमाही में बिना चूक निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किए जाते हैं और बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दे जैसे राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अधीन के कागज़ात अनिवार्य रूप से द्विभाषी में जारी करना सुनिश्चित करना, हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अनिवार्य रुप से हिन्दी में दिया जाना, हिन्दी पत्राचार की प्रतिशतता बढ़ाना, हिन्दी में लिखे जा रहे टिप्पणियों की प्रतिशतता में वृद्धि लाना,राजभाषा सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन करना, हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करना, अनुभागों का निरीक्षण करना, हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करना आदि विषयों पर चर्चा करके निर्णय लेने के साथ-साथ पिछली बैठकों में लिए निर्णयों की अनुवर्ती कार्रवाईयों पर चर्चा भी किए जाते हैं।

अधिकारियों के लिए राजभाषा जागरूकता कार्यक्रम का आयेजन

प्रगत संगणन विकास केंद्र,तिरुवनंतपुरम में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में गति लाने और कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी में कार्यालय का कार्य करने में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यालय के लेवल 10 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए राजभाषा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किए जाते हैं । इस क्रम में, वर्ष 2025 के दौरान दिनांक 19.09.2025 को आयोजित राजभाषा जागरूकता सत्र में संविधान में हिंदी, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976, वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 और तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर कक्षा लिया गया ।

हिन्दी कार्यशाला

कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के झिझक को दूर करने के उद्देश्य से अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हर तीन महीने में बिना चूक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किए जाते हैं। 27-28 अगस्त 2025 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने से संबंधित भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों/ निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में सूचित करने के साथ-साथ कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने का अभ्यास भी दिया गया । साथ ही भारत सरकार के राजभाषा नीति, टिप्पण एवं आलेखन, पत्र लेखन, कार्यालयीन शब्दावली, कार्यालयीन प्रयोग में आनेवाले लघु टिप्पणियाँ जैसे विषयों पर भी चर्चा की गयी ।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय,भारत सरकार के निदेशों का अनुपालन करते हुए कार्यालय द्वारा हर वर्ष सितंबर महीने में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किए जाते हैं । कार्यालय द्वारा वर्ष 2025-2026 के दौरान तारीख 15.09.2025 (तारीख 14.09.2025 को कार्यालय के लिए छुट्टी होने के कारण) से 30.09.2025 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । पखवाड़ा के दौरान कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिन्दी निबंध लेखन,टिप्पण एवं आलेखन, श्रुत लेख,हिंदी गीत,अनुवाद और प्रश्नोत्तरी जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

कार्यालय की हिन्दी पत्रिका "झलक" के 14वें अंक का प्रकाशन

कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के हिन्दी में लिखने की क्षमता बढाने और उनके हिन्दी भाषा के प्रति रुचि बनाने के उद्देश्य से कार्यालय द्वारा हर साल हिन्दी पत्रिका "झलक" का प्रकाशन किए जाते हैं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के दिनांक 31.12.2025 को संपन्न बैठक में निदेशक महोदय द्वारा कार्यालय की हिन्दी पत्रिका "झलक" के 14वें अंक का विमोचन किया गया।

कॉलज के छात्रों के लिए प्रतियोगिता

कार्यालय द्वारा दिनांक 09.01.2026 (तारीख 10.01.2026 को कार्यालय के लिए छुट्टी होने के कारण) को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। विश्व हिंदी दिवस के सिलसिले में तारीख 09.01.2026 को तिरुवनंतपुरम नगर में स्थित कॉलेजों के छात्रों के लिए हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में तिरुवनंतपुरम नगर के अधिकांश कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यालय के दिनांक 26.01.2026 को संपन्न गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए।

अनुभागों का निरीक्षण

कार्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्णय के अनुसार,हिन्दी अनुभाग द्वारा हर तीन महीने के बीच कार्यालय के किसी एक अनुभाग का पिछले तीन महीनों में हिन्दी में किए कार्यां का निरीक्षण करके निरीक्षण रिपोर्ट पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के आगामी बैठक में चर्चा की जाती है और जिस मद पर वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया है उसका अनुपालन सुनिश्चित करने की ओर निदेश देते हुए समीक्षा रिपोर्ट जारी की जाती है।

'कार्यालयीन प्रयोग हेतु लघु टिप्पणियाँ' नामक पुस्तक का प्रकाशन

कार्यालय के अधिकारियों में कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने की रचि बढाने और अपने अनुभाग के कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी में कार्य करने में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'कार्यालयीन प्रयोग हेतु लघु टिप्पणियाँ' नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया।

सादगी में छिपी खुशियाँ

(दक्षिण क्षेत्रीय लघु कहानी लेखन प्रतियोगिता में पुरस्कृत - प्रथम स्थान)

संजू सिंह
सब डिविजनल इंजीनियर
एंटरप्राइज बिजनेस, बीएसएनएल
चेन्नै नराकास

गाँव के एक छोटे से घर में राहुल अपनी पत्नी सुनीता और बच्चे आरव और अदिति के साथ रहता था। शहर की चमक-दमक से दूर यहाँ हर दिन सादगी और प्रेम से जीवन व्यतीत हो रहा था। वह मेहनत से खेत जोतता, फिर शाम को परिवार के साथ चौकी पर बैठकर दिनभर की बातें करता । बच्चे ढेर सारी बातें करते और पत्नी के मुख पर शांति - सुख का अनुभव करता।

एक दिन गोलू शहर से अपने चाचा राहुल के घर घूमने आया था। उसके हाथ में मोबाइल और शहर के तामझाम के अनेक वस्तुएं थीं। आरव का मन भी इन सब नई चीजों पर ललचाया। वह अब हमेशा गोलू के साथ मोबाइल देखता था। धेरे-धीरे वह घर से हटने लगा। राहुल और सुनीता चिंतित हो गए। अपने बेटे को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन आरव के आखों में शहर की चमक ही बस गई थी। वह भूल गया था कि इस कृत्रिम जीवन में क्षणिक खुशियाँ और असीमित विकर्षण ही होता है।

राहुल ने एक योजना बनाई। उसने सारे परिवार के साथ खेत और खलिहान घूमने का प्रस्ताव रखा। गोलू तुरंत उछलकर घूमने के लिए उत्सुक हो गया। गाँव की ठंडी-ठंडी हवा, मिट्टी की सोंधी खुशबू, चिडियों का कलरव ये सब देखकर उसे बहुत खुशी हुई। सबसे ज्यादा आनंद उसको खेत के बीच में बने मचान पर चढ़कर और वहाँ सुनीता के हाथों का स्वादिष्ट लिट्टी चोखा और रस पीकर हुआ। आरव ये सब देख रहा था। उसको अब एहसास हो रहा था कि गोलू जिन चीजों में इतना सुख अनुभव कर रहा है वह तो उसे सहज ही मिल रहा था। आरव को अपनी गल्ती का एहसास हुआ। उसकी ऑखें, जो कृत्रिम सुखों से चौंधिया गई थीं और अपनों से दूर कर दी थी, वह अब फिर अपनों के बीच आकर असीम खुशी से भर गई थी। माँ का लाड़, पिता का वात्सल्य और बहन अदिति की नोक झोंक में उसको अपनी खोई हुई खुशियाँ पा गयीं। आरव ने अपने भाई गोलू को गले लगाया और गोलू जाते-जाते इस प्यारे परिवार की सादगी भरी खुशियों को अपने मोबाइल के चित्र में कैद किया।

आरव और गोलू को समझ में आ गया कि "धन - दौलत और कृत्रिम चीजों से बडी है परिवार की खुशी और प्रेम"।

सामाजिक मीडिया पर संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की भूमिका

कॉलेज विद्यार्थियों के लिए आयोजित राजभाषा सेमिनार में पुरस्कृत - प्रथम स्थान

सिस्टर ब्लेसी टी ए
बी एड
केरल हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम

सारांश

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। आज हम मनोरंजन, संचार और नौकरी के अवसर खोजने के लिए सोशल मीडिया पर निर्भर हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में संचार के लिए प्रयुक्त भाषा भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी का व्यापक उपयोग न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में यूट्यूब, फेसबुक और ट्विटर जैसे प्लेटफार्मों पर संचार के लिए किया जाता है। मनोरंजन, ऑनलाइन खरीदारी और कार्य संबंधी मामलों के लिए भारत में अधिकांश लोग हिंदी के माध्यम से जुड़े रहते हैं।

डिजिटल जगत में हिंदी का एक संपर्क भाषा (लिंगुआ फ्रैंका) के रूप में विकास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सोशल मीडिया पर हिंदी का उपयोग सूचनाओं के आदान-प्रदान में सहायक होता है, लेकिन इसकी भाषाई शुद्धता और व्याकरणिक सटीकता पर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं।

इस अध्ययन से पता चलता है कि आधुनिक युग में सोशल मीडिया पर होने वाली बातचीत में हिंदी भाषा का बहुत महत्व और प्रभुत्व है। हिंदी पारस्परिक संबंधी को मजबूत करने और विपणन के अवसरों को बढ़ाने का एक शक्तिशाली माध्यम बन गई है।

प्रस्तावना

भारत विश्व का एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश है, जहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ प्रचलित हैं। इस भाषाई विविधता के बीच एक ऐसी भाषा की आवश्यकता होती है जो विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के लोगों को आपस में जोड़ सके। हिंदी इसी आवश्यकता को पूरा करते हुए एक प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में उभरकर सामने आई है। विशेष रूप से डिजिटल युग में, जब संचार के साधन तेजी से विकसित हुए हैं, हिंदी की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

आज के समय में सोशल मीडिया संचार का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वाट्सअप और एक्स जैसे मंचों ने लोगों को अपनी बात तुरंत और व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया है। इन मंचों पर भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति और विचारों का माध्यम भी है।

सोशल मीडिया के प्रसार ने हिंदी को एक नई ऊर्जा दी है। पहले जहाँ अंग्रेजी को डिजिटल मध्यवर्ती की प्रमुख भाषा माना जाता था, वहीं अब हिंदी सामग्री की मांग और लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोग हिंदी में पोस्ट, वीडियो, ब्लॉग और संदेश साझा कर रहे हैं। इससे न केवल हिंदी का विस्तार हुआ है, बल्कि विभिन्न राज्यों और समुदायों के बीच संवाद भी सशक्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त, युवा वर्ग में "हिंग्लिश" (हिंदी और अंग्रेज़ी का मिश्रण) का प्रयोग भी तेजी से बढ़ा है, जिससे हिंदी और अधिक लचीली और समकालीन बन गई है। हिंदी अब केवल 2/8 पारंपरिक साहित्य तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि मीम, रील, पॉडकास्ट और डिजिटल पत्रकारिता के माध्यम से आधुनिक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बन गई है।

अतः स्पष्ट है कि सोशल मीडिया ने हिंदी को एक प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह न केवल संचार को सरल बनाती है, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और डिजिटल सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है। यही कारण है कि आज के समय में 'सोशल मीडिया में हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में, यह विषय अत्यंत प्रासंगिक और विचारणीय है।

संपर्क भाषा का अर्थ

संपर्क भाषा वह भाषा होती है जो भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलने वाले लोगों के बीच संचार स्थापित करने का माध्यम बनती है। जब दो या अधिक व्यक्ति या समुदाय अपनी-अपनी मातृभाषा में एक-दूसरे को समझ नहीं पाते, तब वे एक ऐसी सामान्य भाषा का उपयोग करते हैं जो सभी को समझ में आए। यही सामान्य भाषा संपर्क भाषा कहलाती है

संपर्क भाषा का उद्देश्य किसी एक भाषा को श्रेष्ठ सिद्ध करना नहीं, बल्कि संवाद को सरल, प्रभावी और सुगम बनाना होता है। यह सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में लोगों को जोड़ने का कार्य करती है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ प्रचलित हैं, हिंदी एक प्रमुख संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है। विशेषकर डिजिटल मंचों और सोशल मीडिया के क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग विभिन्न राज्यों और समुदायों के लोगों के बीच संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑनलाइन शिक्षा, व्यापार, मनोरंजन और सामाजिक विमर्श में हिंदी व्यापक स्तर पर उपयोग की जा रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हिंदी आज के समय में एक प्रभावी संपर्क भाषा बन चुकी है।

सोशल मीडिया का परिचय

सोशल मीडिया ऐसे डिजिटल मंच हैं, जहाँ लोग अपने विचार, अनुभव, जानकारी, चित्र, वीडियो और भावनाएँ तुरंत और व्यापक स्तर पर साझा कर सकते हैं। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि संचार, शिक्षा, व्यापार, प्रचार-प्रसार और सामाजिक जागरूकता का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

इंटरनेट और स्मार्टफोन के प्रसार के कारण आज सोशल मीडिया आम जनजीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

सोशल मीडिया की विशेषता यह है कि यह द्विपक्षीय संचार को संभव बनाता है। यहाँ व्यक्ति केवल जानकारी प्राप्त ही नहीं करता, बल्कि अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकता है। इस प्रकार यह पारंपरिक संचार माध्यमों की तुलना में अधिक सहभागितापूर्ण और प्रभावी है।

प्रमुख सोशल मीडिया मंच

फेसबुक - जहाँ लोग पोस्ट, फोटो और वीडियो साझा करते हैं।

इंस्टाग्राम - जो विशेष रूप से फोटो और रील्स के लिए लोकप्रिय है।

एक्स - जहाँ लोग संक्षिप्त संदेशों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हैं।

युट्यूब - जो वीडियो सामग्री के लिए विश्वप्रसिद्ध मंच है।

वाट्सअप - जो त्वरित संदेश और कॉल की सुविधा प्रदान करता है।

इन मंचों के माध्यम से लोग न केवल व्यक्तिगत स्तर पर जुड़े रहते हैं, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वर्तमान समय में इन प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे संचार और अधिक व्यापक और प्रभावशाली बन गया है।

सोशल मीडिया के विस्तार के साथ हिंदी की लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज हिंदी केवल दैनिक बोलचाल की भाषा नहीं रही, बल्कि डिजिटल संचार का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं:

1. व्यापक उपयोगकर्ता आधार

भारत में करोड़ों लोग हिंदी समझते और बोलते हैं। हिंदी देश के विभिन्न राज्यों में संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित है। जब बड़ी संख्या में लोग किसी भाषा से जुड़े होते हैं, तो स्वाभाविक रूप से सोशल मीडिया पर भी उस भाषा में सामग्री की मात्रा और प्रभाव बढ़ जाता है। हिंदी में लिखी गई पोस्ट, टिप्पणियों और वीडियो अधिक लोगों तक पहुँचती हैं।

2. स्थानीय कंटेंट की मांग

डिजिटल युग में लोग अपनी मातृभाषा या परिचित भाषा में सामग्री देखना और पढ़ना पसंद करते हैं। हिंदी में समाचार, मनोरंजन, शिक्षा, कॉमेडी, मोटिवेशनल वीडियो और धार्मिक सामग्री की मांग लगातार बढ़ रही है। इससे हिंदी कंटेंट क्रिएटर्स को भी प्रोत्साहन मिला है।

3. सरलता और सहजता

हिंदी एक सहज और भावपूर्ण भाषा है। इसमें विचारों और भावनाओं को सरल शब्दों में प्रभावी ढंग से व्यक्त किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर त्वरित और स्पष्ट अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण होती है, जिसे हिंदी आसानी से संभव बनाती है। यही कारण है कि आम जनमानस हिंदी में अपनी बात रखना अधिक सहज महसूस करता है।

4.वीडियो और रील संस्कृति

आज के समय में शॉर्ट वीडियो और रील्स अत्यधिक लोकप्रिय हैं। हिंदी गीत, फिल्मी संवाद, कॉमेडी क्लिप और लोकभाषा के संवाद तेजी से वायरल होते हैं। हिंदी मनोरंजन उद्योग की व्यापक पहुँच भी इस लोकप्रियता को बढ़ाती है। इससे हिंदी सोशल मीडिया की प्रमुख भाषाओं में से एक बन गई है।

इस प्रकार, उपयोगकर्ता संख्या, स्थानीय रुचि, अभिव्यक्ति की सरलता और डिजिटल मनोरंजन के प्रभाव ने मिलकर हिंदी को सोशल मीडिया पर अत्यंत लोकप्रिय बना दिया है।

हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में कैसे कार्य करती है?

सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदी आज एक प्रभावी संपर्क आषा के रूप में कार्य कर रही है। यह विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ मंच पर जोड़ने का कार्य करती है। निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से इसे स्पष्ट किया जा सकता है:

1. विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच संवाद

भारत के अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं, जैसे तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, मराठी आदि। ऐसे में जब इन भाषाओं के लोग सोशल मीडिया पर एक दूसरे से जुड़ते हैं, तो हिंदी एक सामान्य माध्यम के रूप में संवाद को संभव बनाती है। इससे पारस्परिक समझ और राष्ट्रीय एकता को बल मिलता है।

2. हिंग्लिश का प्रचलन

युवा वर्ग में हिंदी और अंग्रेजी के मिश्रण से बनी भाषा हिंग्लिश का प्रयोग अत्यधिक लोकप्रिय है। यह भाषा अधिक सहज, आधुनिक और अनौपचारिक अभिव्यक्ति का माध्यम बन गई है। सोशल मीडिया पर पोस्ट, कमेंट और चैट में हिंग्लिश का उपयोग संचार को सरल और आकर्षक बनाता है, जिससे अधिक लोग जुड़ पाते हैं।

3. राष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा

राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक विषयों पर चर्चा हिंदी के माध्यम से बड़े स्तर पर की जाती है। हिंदी में लिखे गए विचार और संदेश देश के विभिन्न हिस्सों तक आसानी से पहुँचते हैं। इससे जन-जागरूकता और सहभागिता में वृद्धि होती है।

4. ऑनलाइन शिक्षा, व्यापार और प्रचार में उपयोग

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिक्षा से संबंधित वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, वेबिनार और ट्यूटोरियल हिंदी में बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, छोटे व्यवसाय और उद्यमी भी अपने उत्पादों और सेवाओं के प्रचार के लिए हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं। इससे अधिक ग्राहकों तक पहुँचना संभव ही रहा है।

इस प्रकार, हिंदी सोशल मीडिया के माध्यम से एक सेतु की तरह कार्य करती है, जो विविध भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़कर संवाद को सरल, प्रभावी और व्यापक बनाती है।

सकारात्मक प्रभाव

सोशल मीडिया में हिंदी के बढ़ते प्रयोग से समाज पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं। यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विकास का साधन भी बन गई है।

1. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा

हिंदी विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों के लोगों को एक साझा मंच पर जोड़ती है। जब लोग एक सामान्य भाषा में विचार साझा करते हैं, तो आपसी समझ और सहयोग की भावना बढ़ती है। इससे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को मजबूती मिलती है।

2. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संवाद

सोशल मीडिया ने ग्रामीण और शहरी समाज के बीच की दूरी को कम किया है। हिंदी के माध्यम से गाँवों के लोग भी अपने विचार, समस्याएँ और प्रतिभाएँ देशभर के सामने रख सकते हैं। इससे सूचना का आदान-प्रदान तेज और व्यापक हुआ है।

3. छोटे व्यवसायों को मंच

हिंदी में प्रचार-प्रसार करने से छोटे और स्थानीय व्यवसायों को अधिक ग्राहकों तक पहुँचने का अवसर मिला है। सोशल मीडिया पर हिंदी में विज्ञापन, पोस्ट और वीडियो बनाकर उद्‌यमी अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रभावी प्रचार कर सकते हैं। इससे आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है।

4. सांस्कृतिक आदान-प्रदान में वृद्धि

हिंदी के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की परंपराएँ, त्योहार, लोकगीत, कला और रीति-रिवाज देशभर में साझा किए जा रहे हैं। इससे सांस्कृतिक विविधता को समझने और अपनाने का अवसर मिलता है, जो सामाजिक सद्भाव को मजबूत करता है।

चुनौतियाँ

जहाँ हिंदी के उपयोग के अनेक लाभ हैं, वहीं कुछ चुनौतियाँ भी सामने आती हैं:

1. क्षेत्रीय भाषाओं की उपेक्षा का खतरा

हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण कुछ क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं और बोलियों के महत्व में कमी आने की आशंका है। भाषाई संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

2.गलत जानकारी (फेक न्यूज़) का प्रसार

सोशल मीडिया पर हिंदी में भी भ्रामक और असत्य जानकारी तेजी से फैल सकती है। इससे समाज में भ्रम और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

3.भाषा की शुद्धता में कमी

हिंग्लिश और संक्षिप्त रूपों के अत्यधिक प्रयोग से हिंदी की शुद्धता और व्याकरणिक संरचना प्रभावित हो सकती है। इससे भाषा की मूल पहचान पर प्रभाव पड़ता है।

4.ट्रोलिंग और अपमानजनक भाषा

कुछ उपयोगकर्ता सोशल मीडिया पर हिंदी का प्रयोग अपमानजनक या आक्रामक टिप्पणियों के लिए करते हैं। इससे सकारात्मक संवाद की भावना कमजोर हो सकती है।

वर्तमान परिदृश्य

वर्तमान डिजिटल युग में हिंदी का स्वरूप अत्यंत सशक्त और व्यापक हो गया है। विशेष रूप से डिजिटल इंडिया अभियान के बाद इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुँच देश के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक बढ़ गयी है। इसके परिणामस्वरूप हिंदी कंटेंट के निर्माण और उपभोग दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

आज कई सरकारी एवं निजी संस्थाएँ अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, ई-सेवाएँ और प्रचार सामग्री हिंदी में उपलब्ध की जा रही हैं। सरकारी योजनाओं, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रियाओं और जन-जागरूकता अभियानों में हिंदी का प्रयोग अधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इससे आम नागरिकों के लिए डिजिटल सेवाओं तक पहुँच आसान हुई है।

इसके अतिरिक्त यूट्यूब पर हजारों हिंदी चैनल शिक्षा, मनोरंजन, समाचार, तकनीकी जानकारी और धार्मिक विषयों पर सामग्री प्रस्तुत कर रहे हैं। हिंदी ब्लॉग, ई-पत्रिकाएँ और डिजिटल समाचार पोर्टल भी बड़ी संख्या में सक्रिय हैं, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं को हिंदी में प्रस्तुत कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी हिंदी में पोस्ट, रील्स, पॉडकास्ट और लाइव चर्चाएँ लगातार बढ़ रही हैं। इससे स्पष्ट होता है कि हिंदी अब केवल पारंपरिक माध्यमों तक सीमित नहीं रही, बल्कि डिजिटल दुनिया में एक प्रमुख और प्रभावशाली भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। वर्तमान परिदृश्य यह संकेत देता है कि भविष्य में हिंदी का डिजिटल विस्तार और अधिक व्यापक तथा सुदृढ़ होने की संभावना है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने हिंदी को एक सशक्त और प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल मंचों के माध्यम से हिंदी ने देश के विभिन्न भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक समूहों के बीच संवाद का सेतु तैयार किया है। आज हिंदी केवल बोलचाल की भाषा नहीं, बल्कि डिजिटल संचार, अभिव्यक्ति और जनसंपर्क का प्रमुख माध्यम बन चुकी है।

सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदी ने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया है, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संवाद को बढ़ाया है तथा छोटे व्यवसायों और उद्‌यमियों को व्यापक मंच प्रदान किया है। साथ ही, सांस्कृतिक परंपराओ, विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए भी नई दिशा मिली है। यद्यपि कुछ चुनौतियों जैसे फेक न्यूज, भाषा की शुद्धता में कमी और ट्रोलिंग जैसी समस्याएँ मौजूद हैं, फिर भी समुचित जागरूकता और जिम्मेदार उपयोग के माध्यम से इनका समाधान संभव है।

भविष्य की दृष्टि से देखा जाए तो इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के निरंतर विकास के साथ हिंदी का महत्व और अधिक बढ़ने की संभावना है। यह न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी हिंदी भाषियों को जोड़ने और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अतः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया ने हिंदी को आधुनिक युग की एक सशक्त संपर्क भाषा के रूप में स्थापित कर दिया है।

एक कविता मेरी बेटी के नाम

अक्षय रागेश
वरिष्ठ सहायक
एम.एस.टी.सी लिमिटेड
तिरुवनंतपुरम

मेरी बेटी,
हर सुबह तुम्हारी हँसी याद आती है,
हर रात तुम्हारी मासूम नींद
मेरी आँखों से दूर, पर दिल के बहुत पास रहती है।
नौकरी ने मुझसे तुम्हें दूर किया,
मीलों की दूरी है हमारे बीच,
कभी लगता है सब छोड़ दूँ, तुम्हारे पास लौट आऊँ,
पर फिर सोचता हूँ—
तुम्हारी पढ़ाई,
तुम्हारे सपने,
तुम्हारा सुरक्षित भविष्य।
कई बार इस्तीफ़ा देने का खयाल आता है,
कलम काग़ज़ तक पहुँचते-पहुँचते रुक जाती है,
क्योंकि हर पंक्ति में
तुम्हारी स्कूल की फीस,
तुम्हारी किताबें, और एक अच्छा जीवन झलकता है।
मैं रोज़ समझौता करता हूँ,
अपने मन से,
अपनी आँसुओं से,
अपनी खाली शामों से—
ताकि तुम कभी समझौता न करो
अपने सपनों से।
तुमसे दूर रहकर भी
हर पल तुम्हारी सुरक्षा की चिंता रहती है,
हर अनजानी आवाज़ से डर लगता है,
हर देर हुई कॉल
दिल की धड़कन बढ़ा देती है।
बेटी, मेरी यह दूरी मजबूरी है,
मेरी ख़ामोशी एक वादा है—
कि मैं आज अकेला चल रहा हूँ,
ताकि कल तुम
बेफ़िक्र होकर उड़ सको।
अख़बार की हर डरावनी सुर्ख़ी
सीधे दिल पर वार करती है,
नारी पर हुए हर अत्याचार की ख़बर
मेरी नींद छीन लेती है।
बेटी, उन ख़बरों में
तेरा चेहरा दिखने लगता है,
और हर पल, हर कदम
तेरी सुरक्षा की दुआ
मेरे होठों पर आ जाती है।
याद रखना,
पिता की हर साँस में तुम्हारा नाम है,
हर मेहनत का मतलब तुम हो,
और यह दूरी भी
सिर्फ़ तुम्हारे उज्ज्वल कल के लिए है।

जीवन में नारी का स्थान

ललिता एस
उप मंडल इंजीनियर
महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय
बी एस एन एल, तिरुवनंतपुरम

स्त्री या नारी - इसका व्याख्यान एक शब्द या एक वाक्य में देना मुश्किल है। स्त्री शक्ति एवं शोभा के प्रतीक है। शायद इसलिए हमारे देश को भारतमाता कहते हैं। स्त्री और पुरुष एक दूसरे के परस्पर पूरक हैं। पुरुष को जन्म देनेवाली भी एक स्त्री है। अर्थात् स्त्री के बिना सब कुछ निरर्थ होगा। मैं इस शीर्षक को लेकर प्राचीन और आधुनिक नारी की चर्चा करना चाहती हूँ, जो बातें सुनी और देखी हुई वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

पुराने जमाने में शिक्षित नारी भी अधिकतर अपने घर को संभालती थी। घर की सफाई, रसोई, बच्चों का पालन पोषण, पति और परिवारवालों का देखभाल, इस प्रकार उसका जीवन और उसकी दुनिया घर के चार दीवारों में ही बीत जाती थी। पर आधुनिक नारी की बात कुछ और है। पुरुष के समान शिक्षा पाने से स्त्री भी धीरे-धीरे दुनिया के सामने आने लगी। वह भी साबित करने लगी कि जो काम पुराने जमाने से पुरुष करते या कर रहे थे, वह सभी काम अब स्त्री भी कर सकती है। आज हर एक क्षेत्र में स्त्री की कार्यक्षमता हीरे के समान चमक रही हैं। लेकिन इन सबके बावजूद क्या हम पूर्ण रूप से कह सकते हैं कि समाज की अत्याचारों से स्त्री पूरी तरह से मुक्त है या सभी प्रकार से संतुष्ट है। इसका जवाब है नहीं। क्योंकि प्राचीन काल में शारीरिक यातना झेलना पडता था तो आज मानसिक अथवा वैकारिक विषमताओं का भी सामना कर रही है। उस जमाने में शिक्षा की कमी या अभाव से वह अपने ऊपर होनेवाली अन्याय को पूर्ण रूप से समझी नहीं थी, कि जैसे अब।

आज की उद्योगार्थी नारी बडे सबेरे से लेकर घर का सारा काम संभालकर दफ्तर जाती है। शाम तक दफ्तर में काम करके घर वापस लौटकर भी घर के काम काज में इतना डूब जाती है कि दिन से रात कब होती है इसका पता भी नहीं। रसोई का काम, बच्चों की पढाई और पालन-पोषण, घर की सफाई, घर के अन्य सदस्यों की देखभाल वगैरह.....वगैरह। ये सब काम स्त्री आसानी से कर सकती है, यदि उसे अपने पति या घरवालों की सहायता मिले। सबसे प्रथम रूप में उसे मानसिक अथवा वैकारिक सहायता या तसल्ली की जरूरत है। उसकी भावना, सोच विचार एवं राय का उचित सम्मान मिले। उसकी शारीरिक विषमताओं पर ध्यान और श्रद्धा मिले, जिसके बल पर वह खुशी एवं उत्साह के साथ अपना कर्तव्य पूरा कर सके।

आधुनिक युग में किसी भी बुरी हालत पर दूसरों का सहारा मिलना बहुत मुश्किल है। आज का समाज ऐसे मोड पर आ खडी है कि सभी लोग स्वार्थ है। अपने दुख या विषमताओं के बारे में किसी से भी मन खोलकर बात नहीं कर सकते हैं। खासकर एक स्त्री। सच बताए तो स्त्री ही स्त्री का शत्रु है। किसी भी दुर्दशा और विपत्ति आने पर एक स्त्री दूसरी स्त्री का साथ नहीं देती है, उलटा वही उसके लिए शाप बनकर खडी होती है। भूल या अनजाने में किसी से मन की बात कहती है, तो सुननेवाला व्यक्ति चाहे पुरुष या स्त्री हो, उन्हीं बातों को बाद में उसके खिलाफ, प्रयोग करते हैं। उस स्त्री का इतनी बुरी हालत बना देते हैं कि बेचारी के लिए उससे मुक्ति पाना शायद नामुमकिन है। दफ्तर में कोई उलझन आती है तो उसके साथ काम करनेवाले उसकी निजी मामलों को लेकर उसका व्यंग करते हैं। घर में किसी प्रकार का संकट आता है तो घरवाले उसके दफ्तरी मामले की गलतफहमी लेकर उस पर वार करते हैं। चाहे संकट घर पर हो या दफ्तर में, सबका प्रभाव एक स्त्री पर ही पडती है।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के इतने सालों के बाद भी समाज हमेशा स्त्री को ही शंका की दृष्टी से देखती है और सभी का दोष एक स्त्री पर ही डालती है। इस सामाजिक व्यवस्था को बदलना अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि क्षमा, दया, सहानुभूति, ममता और ज्ञान, ये सारी एक स्त्री हृदय में उतनी भरी है जिसका नापतोल आसान नहीं है। मेरी राय में एक स्त्री को सारा सहारा घर पर ही मिलना चाहिए। जिसके बल पर हर एक स्त्री आत्म सम्मान और आत्म विश्वास से अपना कर्तव्य निभा सके।

इस सिलसिले में स्त्री का कर्तव्य पर भी जोर डालना चाहती हूँ। हर एक स्त्री अपना कर्तव्य एवं व्यक्तित्व को सही रूप से समझे। क्योंकि बच्चों के व्यक्तित्व विकास में माँ का योगदान ज्यादा है। बच्चों की परवरिश की तुलना हम पौधों से कर सकते हैं। जिस प्रकार एक बागबान पौधों को बडा करता है, उसी प्रकार हर एक माँ बाप का कर्तव्य है अपने बच्चों को अच्छे नागरिक के रूप में बदलकर समाज को देना। व्यक्ति का विकास घर से ही शुरू होता है। अच्छे व्यक्ति ही अच्छे समाज का निर्माण कर सकता है। हर एक घर का आधार और उन्नति उस घर के स्त्री पर निर्भर है। स्त्री को आग के समान जीना चाहिए जिसकी चिंगारी से दुनिया में दिया जल सके, जलकर राख न बने।

हमें युद्ध नहीं चाहिए

षिबु ए. पी.
राजभाषा अधिकारी
मु.म.प्र.दू. कार्यालय,
बीएसएनएल, तिरुवनंतपुरम

देखा कल टेहरान टाईम्स का मुखपृष्ठ
आँसु भर गए आँखों में, गद्गद् हो गए कंठ
मिलाब स्कूल की 150 बालिकाओं के चित्र थे,
संपूर्ण ए-प्लस प्राप्तों के नहीं,
वे भविष्य से वंछित, युद्ध के शिकार थीं,
उनके सपनों को मिट्टी में बिखरा दिया।
भोले-भाले बच्चों के जान लेनेवाले
मानव है या दानव !

हमें मृत्यु का खून नहीं चाहिए,
हमें जीवन का अमृत चाहिए।

युद्ध ! अनादि काल से आज तक
विश्व को ग्रसित विनाश का नाम है,
भविष्य को भी ललकारेगा वह
मानव राशी के करुणाहीन हिंसक चित्र-सा।
फरक इतना ही कि आयुध कौन-सा है,
पर मृत्यु, विनाश, रक्तपात, क्रंधन, अशांति,
अलगाव, अनाथत्व, शिशुहत्या और अभाव,
आर्थिक बिखराव के नंगेभूखों का चित्र समान।

कारण क्या भी हो, सूत्रधार किधर भी हो
कोई जीतेगा नहीं, केवल संकट बढेगा।
दु:ख और क्रंधन लहरायेंगे चारों ओर,
रक्त नदियां बह रही हैं चारों ओर।
आसमान, सागर, पृथ्वी सब भरे रक्त,
अशांति के लाल रंग से दूषित है।
आरोप के मिसैलों से टूटती प्रकृति –
खेत–स्कूल-अस्पताल कौन बच पायेंगे ?
विश्व को कौन सुनाएंगे शांति गीत ?
अहिंसा के, प्यार के गीत कौन सुनाएंगे ?
प्रेम के, भाईचारे के संदेश गाते धर्म
और शांतिवाहक क्यों चुप है ?
कौन पराये हैं इस विश्व में ?
मानवजाति सभी एक है।
विनाशवान युद्ध से क्या फायदा ?
समझौता ही समाधान है।
शांति की ओर कदम बढाईए।
संसार भर जाएं सहकारिता।
खिलें मुस्कुराहट हर चेहरे पे।

नराकास राजभाषा वैजयंती एवं श्रेष्ठता प्रमाण पत्र प्राप्त कार्यालय

डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड एवं अध्यक्ष, टोलिक (उपक्रम) और श्री निर्मल कुमार दुबे, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि द्वारा पुरस्कार प्रदान कर रहे हैं। साथ हैं - श्री बैजु पी, महा प्रबंधक (उत्पादन), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड - पेरूरकडा फैक्टरी।

बडे कार्यालयों की श्रेणी में ....

श्री बैजु पी, महा प्रबंधक (उत्पादन),एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड - पेरूरकडा फैक्टरी - प्रथम स्थान

श्री सजिकुमार.आर, मुख्य महा प्रबंधक, बी एस एन एल - मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय - द्वितीय स्थान

श्री मोहन रॉय वी, प्रभारी अधिकारी, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, तिरुवनंतपुरम - तृतीय स्थान

डॉ.राजेश गुलिया, महा प्रबंधक (केरल), भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय – चौथा स्थान

छोटे कार्यालयों की श्रेणी में ....

श्री एस.श्याम कुमार, क्षेत्रीय मुख्य, हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलेपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को) - प्रथम स्थान

श्री जयचन्द्रन.सी.एस, वरिष्ठ महा प्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड - द्वितीय स्थान

श्री गणेश निरंजन जयकुमार, उप महा प्रबंधक, एम.एस.टी.सी लिमिटेड, केरल शाखा कार्यालय - तृतीय स्थान

डॉ.राजेश गुलिया, महा प्रबंधक (केरल), भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय – (मंडल कार्यालय के लिए) चौथा स्थान

उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार ....

डॉ.राजेश रामकृष्णन, उपाध्यक्ष (एचआर), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय - प्रथम स्थान (पत्रिका - समन्वया)

श्री एस.श्याम कुमार, क्षेत्रीय मुख्य, हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलेपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हड्को) - द्वितीय स्थान (पत्रिका - संकल्प)

श्री प्रवीण.एस, महा प्रबंधक (एचआर), एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, आक्कुलम फैक्टरी - तृतीय स्थान (पत्रिका - अनमोल)

हिंदी प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त कार्यालय...

श्री बैजु पी, महा प्रबंधक (उत्पादन), एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी– प्रथम स्थान

श्री सजिकुमार.आर, मुख्य महा प्रबंधक, मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय - दूसरा स्थान

प्रबोध /पारंगत परीक्षा में सर्वोच्च अंक

श्री संतोष कुमार राजेंद्रन,प्रबंधक, एमएसटीसी लिमिटेड

श्रीमती श्रीकला सी.के., कार्यकारी सहायक, एमएसटीसी लिमिटेड

टिप्पण एवं आलेखन के लिए विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार

श्री विष्णु एस. कैमल, प्रबंधक (सामान्य) भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय – प्रथम स्थान

श्री तंपी एस दुर्गा दत्त, सीएसओ, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय - द्वितीय स्थान

श्रीमती नबीसत एच, स्टोर सहायक, एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी - तृतीय स्थान

श्रीमती रुग्मा वी.एम., सहायक ग्रेड-I (तकनीकी) भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता (कर्मचारी)...

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता (हिंदी स्टॉफ)

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता (कर्मचारियों के बच्चे)...

नेमी टिप्पणियाँ

Approved	अनुमोदित
As Proposed	यथा प्रस्तावित
Draft for approval	अनुमोदनार्थ प्रारूप
Expedite action	कार्रवाई शीघ्र करें
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
For approval	अनुमोदनार्थ
For compliance	अनुपालन के लिए
For consideration	विचारार्थ
For kind information	सदय जानकारी के लिए
For necessary action	आवश्यक कार्रवाई के लिए
For perusal	अवलोकनार्थ
For signature	हस्ताक्षर के लिए
Passed for payment	भुगतान के लिए पारित
Please check	कृपया जाँच करें
Please circulate	कृपया परिचालित करें
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन कीजिए
Please file	कृपया फाइल करें
Please do the needful	कृपया आवश्यक कार्रवाई करें
Please see	कृपया देखें
Please speak	बात कीजिए
Please brief	कृपया संक्षिप्त करें
Put up for perusal	अवलोकनार्थ प्रस्तुत
Reply may be drafted	उत्तर का मसौदा तैयार किया जाय
Sanction may please be accorded	कृपया मंजूरी दी जाय
Seen, thanks	देख लिया, धन्यवाद
Seen and returned	देखा और वापस किया
Very urgent	अति तत्काल

<u>सरकारी कामकाज में उपयोगी टिप्पणियाँ /Useful Notings in Official Work</u>

A brief note is placed below	संक्षिप्त नोट नीचे रखा है।
Action may be taken as proposed	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
Approved as per remarks in the margin	हाशिये की टिप्पणी के अनुसार अनुमोदित
Await reply	उत्तर की प्रतीक्षा की जाए।
Bill has been scrutinized and found in order	बिल की जांच की गई और सही पाया गया।
Discrepancy may be reconciled	विसंगति का समाधान किया जाए।
Draft as amended is put up	यथा संशोधित मसौदा प्रस्तुत है।
Early action in the matter is requested	अनुरोध है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें।
Empowered to	को अधिकार दिया गया।
Ex-parte proceeding	एक पक्षीय/इकतरफा कार्यवाही।
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई।
For favourable action	अनुकूल कार्रवाई के लिए।
For expression of opinion	मत प्रकट करने के लिए।
Further orders will follow	आगे और आदेश भेजे जाएंगे।
For further action	अगली/आगे की कार्रवाई के लिए।
For remarks	अभियुक्ति के लिए
Forwarded and recommended	अग्रेषित और संस्तुत
I fully agree with the office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ।
Give details	विस्तृत जानकारी दें।
His request may be acceded to	उसकी प्रार्थना स्वीकार की जाए।
In the prescribed manner	निर्धारित ढंग से।

I have no further comments	मुझे कुछ नहीं कहना है।
Matter is under consideration	विषय/मामला विचाराधीन है।
May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाए।
May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए।
No action required/necessary	किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं।
Office to note and comply	कार्यालय ध्यान दे और पालन करें।
Orders are solicited	कृपया आदेश दें।
Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन करें।
Please discuss with relevant papers	कृपया संगत पत्रों के साथ चर्चा करें।
Put up for verification	सत्यापन के लिए प्रस्तुत करें।
Reminder may be sent	अनुस्मारक/स्मरण पत्र भेजा जाए।
Required to be confirmed	पुष्टीकरण अपेक्षित है।
Self contained note	स्वतः पूर्ण टिप्पणी।
Such action as may be deemed necessary	ऐसी कार्रवाई जो आवश्यक समझी जाए।
The file in question is placed below	संदर्भित फाइल नीचे रखी है।
The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव नियमानकूल है।
To the best of knowledge and belief	उत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार
Violation of rules	नियमों का उल्लंघन
Urgently required	अविलंब चाहिए, तुरंत चाहिए
With regards	सादर
We are not concerned with this	इसका हमसे कोई संबंध नहीं है।
With retrospective effect	पूर्वप्रभावी/पूर्वव्यापी के साथ
You are hereby authorized to	आपको एतदद्वारा प्राधिकृत किया जाता है।

नराकास के सदस्य कार्यालयों की सूची

क्रम सं.	सदस्य कार्यालय का नाम एवं पता (दूरभाष सं./ ई-मेल सहित)	कार्यालय अध्यक्ष का नाम एवं पदनाम(दूरभाष सं./ई-मेल सहित)	कार्यालय में राजभाषा से संबंधित अधिकारी का नाम एवं पता (दूरभाष सं./ई-मेल सहित)
1.	**एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड - पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय** पूजप्पुरा.पी.ओ., तिरुवनंतपुरम-695 012 दूरभाष : 0471-2354949 ई-मेल : tolicutvm@lifecarehll.com	डॉ.अनिता तंपी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक दूरभाष : 0471-2354747 मोबाइल: 9769585773 ई-मेल : anithathampi@lifecarehll.com	डॉ.सुरेष कुमार.आर वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) दूरभाष : 0471-2354949 मोबाइल: 9349849651 ई-मेल :drsureshr@lifecarehll.com
2.	**भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण,** तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, तिरुवनंतपुरम -695008 दूरभाष : 0471 - 2501312 ई-मेल : cictrivandrum@aai.aero	श्री मोहन रॉय वी प्रभारी अधिकारी, संयुक्त महा प्रबंधक (एटीएम) दूरभाष : 0471 - 2501312 मोबाइल: 8113052224 ई-मेल : cictrivandrum@aai.aero	श्री प्रतिबिम्ब त्रिपाठी कनिष्ठ कार्यपालक (ओटीएम) & नोडल अधिकारी (राजभाषा) मोबाइल: 8299843744 ई-मेल : oltvm@aai.aero
3.	**भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट** पी बी नं. 6, कषक्कूट्टम, तिरुवनंतपुरम-695582 दूरभाष : 0471 - 2705202	श्री श्रीकांत आर टेरीटेरी प्रबंधक (एल पी जी) दूरभाष : 0471- 2706689 ई-मेल : srikanthr@bharatpetroleum.in मोबाइल: 8825561423	श्री अच्चु एस सीआरसी सहायक मोबाइल: 8299843744 ई-मेल : z_crc_tvm@bharatpetroleum.in
4.	**प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक)** पी बी नं. 6520, वेल्लयंबलम, तिरुवनंतपुरम -695033 दूरभाष : 0471-2727538 ई-मेल : ed-tvm@cdac.in	डॉ.कलै सेलवन.ए निदेशक, सी-डैक दूरभाष : 0471-2723333 मोबाइल: 9895571377 ई-मेल : kselvan@cdac.in	श्रीमती.जयश्री.के प्रबंधक (प्रशासन) मोबाइल: 9995177480 ई-मेल : jayasreek@cdac.in
5.	**भारतीय खाद्य निगम - मंडल कार्यालय,** वल्यतुरा, वल्लक्कडवु, तिरुवनंतपुरम-695008 दूरभाष : 0471-3503933 ई-मेल : amtvmke.fci@nic.in	श्री नरेंद्र कुमार मीना मंडल प्रबंधक दूरभाष : 0471-3503933 ई-मेल : amtvmke.fci@nic.in	श्रीमती विजी एस. के प्रबंधक (सामान्य), हिंदी अनुभाग मोबाइल: 9539506888 ई-मेल : viji160837@fci.gov.in
6.	**भारतीय खाद्य निगम - क्षेत्रीय कार्यालय** केशवदासपुरम, तिरुवनंतपुरम- 695004 दूरभाष : 0471-2441223 ई-मेल : gmke@fci.gov.in	डॉ.राजेश गुलिया महा प्रबंधक (केरल) दूरभाष : 0471-2441223 ई-मेल : gmke.fci@gov.in	श्री. सौरभ नितिन उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा/राजभाषा) एसटीडी कोड: 0471-2441223 ई-मेल: agmhindike@fci.gov.in
7.	**हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको),** क्षेत्रीय कार्यालय, तीसरी मंजिल, साफल्यम, यूनिवर्सिटी.पी.ओ, पालयम, तिरुवनंतपुरम-695 029 दूरभाष : 0471 -2339746/47 ई-मेल : tro@hudco.org	श्री एस.श्याम कुमार क्षेत्रीय प्रमुख दूरभाष : 0471 -2339742 ई-मेल : tro@hudco.org	श्री आर.एस हरिकृष्णन संयुक्त महा प्रबंधक (परियोजना) ई-मेल : harikrishnanhudco@gmail.com मोबाइल:9967612422
8.	**इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,** तिरुवनंतपुरम मंडल कार्यालय, प्रीमियर पार्क, इंजक्कल बाईपास रोड़, वल्लक्कडवु.पी.ओ., तिरुवनंतपुरम - 695008 दूरभाष : 0471 - 250012	श्री अमलजित. एन मंडलीय रीटेल बिक्री प्रमुख दूरभाष : 044-25950432 ई-मेल : amaljithn@indianoil.in मोबाइल: 9445007414	श्री प्रदीप कुमार इंजीनियरिंग अधिकारी ई-मेल : kumarp180@indianoil.in मोबाइल: 9587562323

9.	**मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय,** केरल परिमंडल, भारत संचार निगम लिमिटेड, पीएमजी जंक्शन तिरुवनंतपुरम-695 033 दूरभाष : 0471-2302200 ई-मेल : bgsmony@bsnl.co.in	श्री आर. सजिकुमार आई टी एस मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार दूरभाष : 0471-2302200 ई-मेल : **cgm_kerala@bsnl.co.in** मोबाइल: 9868280066	श्री षिबु.ए.पी राजभाषा अधिकारी मोबाइल: 9449074071 ई-मेल : coolbsnl@gmail.com ई-मेल : sdeolcotvm@gmail.com
10.	**महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय** भारत संचार निगम लिमिटेड बी एस एन एल भवन, उप्पलम रोड़, तिरुवनंतपुरम-695 001 दूरभाष : 0471-2570000 **ई-मेल** : coolbsnl@gmail.com	श्री जितेंद्र प्रकाश महा प्रबंधक दूरसंचार दूरभाष : 0471-2570000 ई-मेल : gmtvm@bsnl.co.in	श्रीमती सिंदु सिंह (अतिरिक्त प्रभार) कनिष्ठ हिंदी अनुवादक मुख्य महा प्रबंधक दूरसंचार कार्यालय मोबाइल: 9447153255 ई-मेल : coolbsnl@gmail.com
11.	**आर ई सी लिमिटेड - क्षेत्रीय कार्यालय,** चौथा तल, साफल्यम कॉम्प्लेक्स, टीआरआईडीए बिल्डिंग पालयम, तिरुवनंतपुरम-695034 दूरभाष : 0471-2328662 ई-मेल :potrivandrum@recindia.com	श्री एम.उदयकुमार मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक मोबाइल: 9873158673 ई-मेल :mukumarrecl@gmail.com	श्री रेन्जित लाल पी उप महा प्रबंधक मोबाइल: 8301852174 ई मेल: renjitlp20001975@gmail.com
12.	**पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड** 400/220 के वी उप केन्द्र, पल्लिपुरम, तिरुवनंतपुरम - 695 316 दूरभाष : 0471-2754777 ई-मेल: trivandrum@powergrid.co.in	श्री जयचन्द्रन.सी.एस मुख्य महा प्रबंधक दूरभाष : 0471-2754777 ई-मेल : csjayachandran@powergrid.in	श्री सिकन्दर भारती कनिष्ठ इंजीनियर दूरभाष : 8434926931 ई मेल: bhartisikandar@powergrid.in
13.	**एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड - पेरूरकड़ा फैक्टरी** पेरूरकड़ा, तिरुवनंतपुरम-695005 दूरभाष : 0471-2437270	श्रीमती स्मिता एल जी कार्यपालक निदेशक & यूनिट मुख्य दूरभाष : 0471-2432642 मोबाइल: 9447259455 ई-मेल: smithalg@lifecarehll.com	श्रीमती ए.के.राजेश्वरी अधिकारी -5 (हिंदी) दूरभाष : 0471-2437270 मोबाइल: 9947806291 ई-मेल : hindipft@lifecarehll.com
14.	**एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड- आक्कुलम फैक्टरी,** आक्कुलम, तिरुवनंतपुरम-695017 दूरभाष : 0471-2442641, 2442642	श्री महेष कुमार आर संयुक्त महा प्रबंधक एवं यूनिट मुख्य प्रभारी दूरभाष : 0471-2445514 ई-मेल: maheshkpr@lifecarehll.com	श्रीमती गौरी हिंदी अनुवादक मोबाइल: 6238809266 ई-मेल : gowrabhi1215@gmail.com
15.	**एचएलएल इन्फ्राटेक सर्वीसस लिमिटेड - (हाइट्स)** क्षेत्रीय कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम- 695012	श्रीमती लता.आर सह उपाध्यक्ष आईडीडी & आर एच टी, हाइट्स क्षेत्रीय कार्यालय , तिरुवनंतपुरम ई मेल : lathar@hllhites.com दूरभाष: 0471-2775550	श्रीमती हेमा वी.एस राजभाषा अधिकारी मोबाइल: 9744210429 ई मेल : hemashaji@hllhites.com
16.	एमएसटीसी लिमिटेड, केरल शाखा कार्यालय पहली मंजिल, बीएसएनएल सीटीओ बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, केरल राज्य सचिवालयके सामने, स्टेचू, पलायम, तिरुवनंतपुरम, केरल - 695001	श्री गणेश निरंजन जयकुमार उप महा प्रबंधक, शाखा प्रबंधक, एमएसटीसी लिमिटेड, केरल शाखा कार्यालय मोबाइल: 9748949481 दूरभाष: 0471-2326686 ईमेल: bmtvcmstc@mstcindia.in	श्री रवीन्द्र माचेरला प्रबंधक दूरभाष: 0471-2326686 मोबाइल: 9048826888 ई-मेल : rfmtvc@mstcindia.in

हडको
hudco
A NAVRATNA CPSE
आवास के अतिरिक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर का वित्तपोषण
हडको, एक एनबीएफसी-आईएफसी, जो आवासीय वित्तपोषण के अतिरिक्त अपने क्षितिज का विस्तार करते हुए, सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को वित्तीय सहायता देने की प्रतिबद्धता के साथ विकसित भारत के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए परामर्श एवं क्षमता निर्माण सेवाओं के माध्यम से योगदान दे रहा है।
प्रमुख ताकतें
पैन इंडिया उपस्थिति और सरकारों के साथ सुदृढ़ संबंध
न्यूनतम एनपीए और परिसंपत्ति की बेहतरीन गुणवत्ता
सर्वश्रेष्ठ क्रेडिट रेटिंग: घरेलू-एएए, अंतर्राष्ट्रीय-संप्रभु
फ्लैगशिप मिशनों के प्रभावी कार्यान्वयन को पूरक बनाना
मजबूत वित्तीय अनुपात और लाभप्रदता
क्षमता निर्माण और परामर्शी सेवाओं के माध्यम से मूल्य संवर्धन
उपलब्धियां
नवरत्न का दर्जा प्राप्त
एचएफसी से एनबीएफसी - आईएफसी में परिवर्तन
एमएमआरडीए तथा अमरावती स्टेट कैपिटल डेवलपमेंट जैसे प्रतिष्ठित परियोजनाओं हेतु फंडिंग
धारा 54 ईसी और जीरो कूपन बॉन्ड्स के अंतर्गत पूंजीगत लाभ कर छूट बॉन्ड जारी करने की अनुमति
अब तक की सर्वाधिक स्वीकृतियां, संवितरण और धन जुटाव
अंतर्राष्ट्रीय उधार के माध्यम से वैश्विक उपस्थिति में वृद्धि
हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक एनबीएफसी-आईएफसी
सीआईएन: एल74899डीएल1970जीओआई005276 जीएसटीआईएन: 07AAAसीएच0632एजेडएफ
कोर-7 ए, हडको भवन, इंडिया हैबिटेट सेंटर लोधी रोड, नई दिल्ली -110003
x.com/hudcolimited
facebook.com/hudco
youtube.com/@HUDCOLTD
linkedin.com/hudco-limited